दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.09 सूर्यास्त 6.00 | अधिकतम 38° न्यूनतम 27°

वर्ष 18, अंक 307 पृष्ठ 8
कोलकाता, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
बैशाख, शुक्लपक्ष, अष्टमी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

बंगाल में छिटपुट हिंसा के बीच रिकॉर्ड 92% से ज्यादा मतदान

दक्षिण दिनाजपुर (94.85%), कूचबिहार (94.54%), बीरभूम (93.70%), जलपाईगुड़ी (93.23%), मुर्शिदाबाद (92.93%)

2021 की तुलना में मतदान 10 फीसदी से भी अधिक ■ 4 मतदाताओं की अस्वस्थता के कारण हुई मृत्यु ■ तमिलनाडु में भी अब तक की सबसे अधिक वोटिंग ■ बीरभूम में हिंसा, सीआरपीएफ जवानों पर पथराव ■ मालदा में भाजपा के पोलिंग एजेंट पर हमला ■ टीएमसी पर मतदाताओं को रोकने का आरोप ■ कुमारग्राम में भाजपा प्रत्याशी को दौड़ाकर पीटा

कोलकाता / चेन्नई: चुनावी हिंसा के लिए दशकों से कुख्यात बंगाल में इस बार बिल्कुल उलट नजारा दिखा. विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत गुरुवार को राज्य के 16 जिलों की 152 सीटों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ. विशेष गहन पुनरीक्षण (एफआईआर) की लंबी प्रक्रिया के बाद हुए इस पहले मतदान को लेकर हरेक वर्ग का भारी उत्साह देखने को मिला. सभी 152 सीटों पर औसतन 92 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ.पश्चिम बंगाल में पहले चरण में रिकॉर्ड 92.35% वोटिंग हुई. दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक मतदान हुआ, जबकि कलिंपोंग में वोट प्रतिशत सबसे नीचे रहा। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 फीसदी से अधिक मतदान दर्ज किया गया है. दक्षिण दिनाजपुर 94.85% के साथ सबसे आगे रहा, इसके बाद कूच बिहार (94.54%), बीरभूम (93.70%), जलपाईगुड़ी (93.23%) और मुर्शिदाबाद (92.93%) रहे. ये आंकड़े राज्य भर में लगातार उच्च मतदाता भागीदारी को दर्शाते हैं, जहाँ सभी प्रमुख जिलों में मतदान 90% से ऊपर रहा. दूसरी तरफ तमिलनाडु में भी प्रमुख जिलों में अच्छा मतदान दर्ज किया गया, जहाँ करूर 92.48% के साथ सबसे आगे रहा, इसके बाद सेलम (90.42%), धर्मपुरी (90.02%), इरोड (89.97%) और नमक्कल (89.63%) रहे.

मतदान केंद्रों पर अभूतपूर्व सुरक्षा बंदोबस्त के बीच युवाओं से लेकर वरिष्ठजनों तक सबने वोट डाला. महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली. विभिन्न राज्यों से लौटे प्रवासी श्रमिकों ने भी अच्छी संख्या में

मतदान किया. बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के अनुसार रात 9 बजे तक 92.35 प्रतिशत वोट पड़े हैं, जो 2021 की तुलना में 10 प्रतिशत से भी अधिक है.चूंकि विभिन्न मतदान केंद्रों में शाम छह बजे के बाद भी मतदाताओं की कतारें लगी थीं, इसलिए अंतिम आंकड़ा बढ़ सकता है. शाम छह बजे तक दक्षिण दिनाजपुर में 94.87 प्रतिशत व कूचबिहार में 94.58 प्रतिशत प्रतिशत वोट पड़े. बंगाल की सबसे हॉट सीट में से एक नंदीग्राम में 91.87 प्रतिशत मतदान हुआ. मालूम हो कि 2021 के विस चुनाव में इन 16 सीटों पर 81.46 प्रतिशत वोट पड़े थे.

लोकतंत्र के महापर्व में आज पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में वोट डाले गए. पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान कराए गए. तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले गए. शाम छह बजे आधिकारिक रूप से मतदान समाप्त हो गया. कुछ जगहों पर कतार में लगे वोटर्स ने मतदान किया. बॉलीवुड सिंगर अरजीत सिंह और उनकी पत्नी कोएल राय ने भी मतदान किया. दोनों पति-पत्नी मुर्शिदाबाद विधानसभा की जियागंज के पोलिंग बूथ पर नजर आए.

कहा जाता है कि जब कई दशकों से सरकार चल रही होती है और वोटिंग पर्सेंटेज में बढ़ोतरी होती है तो यह सत्ता परिवर्तन के भी संकेत होते हैं. लेकिन, कई बार ठीक इसके उलट भी देखने को मिलता है. हाई प्रोफाइल और कड़े मुकाबले में ज्यादा वोटर्स सत्ताधारी दल को ही वोट देते दिखते हैं. इसकी वजह से भी वोट पर्सेंटेज में बढ़ोतरी हो जाती है. इस बार एसआईआर प्रक्रिया में पश्चिम बंगाल में लाखों वोट्स कट गए, जिसकी वजह से भी वोटिंग पर्सेंटेज में बढ़ोतरी का अनुमान है.बंगाल और तमिलनाडु में मतदान समाप्त होने के बाद देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया है. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है. बंगाल में जहां चुनाव हुए, उनमें नंदीग्राम, खड़गपुर, पुरुलिया, बांकुरा और झारग्राम सीटों शामिल हैं. राज्य में दूसरे चरण का चुनाव 29 अप्रैल को होगा, जिसमें 142 सीटों पर मतदान होगा. राज्य में मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है. तृणमूल कांग्रेस के चुनाव प्रचार का दारोमदार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कंधों पर है. भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान और पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने धुआंधार प्रचार किया है. कांग्रेस और वामपंथी दलों के नेताओं ने भी अपने उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार किया है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव सभाओं को संबोधित किया. बंगाल और तमिलनाडु में मतदान समाप्त होने के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है. गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार का सूरज डूब चुका है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बंपर मतदान का कारण मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का प्रतिरोध है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के मतदान के बीच हिंसा की बड़ी खबर सामने आई है. बीरभूम जिले के दुबराजपुर विधानसभा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया है. यहां तैनात सीआरपीएफ के जवानों पर स्थानीय लोगों ने अचानक पथराव कर दिया, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है.

पहले चरण में इन दिग्गजों की किस्मत ईवीएम में कैद

कोलकाता: राज्य में पिछली बार की तरह इस बार भी सीधा मुकाबला सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच होने का अनुमान है. हालांकि, कभी बंगाल की सत्ता पर राज करने वाली कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) भी मुकाबले में हैं. इन दलों ने भी अलग-अलग चुनाव लड़ते हुए कई सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं.

निर्वाचन आयोग के मुताबिक, 2026 के चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल में कुल 80,719 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में कई हाई-प्रोफाइल और दिग्गज नेता चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं.

शुभेंदु अधिकारी: नंदीग्राम में 2021 की ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा के मुख्य चेहरे शुभेंदु अधिकारी इस बार नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं. नंदीग्राम में पहले चरण में मतदान है. यहां उनका सीधा मुकाबला कभी उनके करीबी रहे और अब टीएमसी उम्मीदवार पबित्रा कर से रहा.

अधीर रंजन चौधरी: कांग्रेस के दिग्गज नेता और पांच बार के सांसद अधीर रंजन चौधरी 2024 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद अब विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं. वह बहरामपुर सीट से भाजपा के मौजूदा विधायक सुब्रत मैत्रा को चुनौती दे रहे हैं.

दिलीप घोष: भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष खड़गपुर सदर से अपनी वापसी की कोशिश कर रहे हैं. उनका कड़ा मुकाबला टीएमसी के प्रदीप सरकार से है, जिन्होंने 2019 के उपचुनाव में यह सीट जीती थी.

निशीथ प्रमाणिक: पूर्व केंद्रीय मंत्री और उत्तर बंगाल में भाजपा के प्रभावशाली नेता. उन्होंने अपनी पुरानी सीट दिनहाटा छोड़ दी और इस बार माथाभांगा सीट से टीएमसी के सब्लू बर्मन के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं.

उदयन गुहा: टीएमसी के राज्य मंत्री, जो निशीथ प्रमाणिक के जाने के बाद दिनहाटा सीट पर पार्टी का कब्जा बनाए रखने के लिए चुनाव लड़ रहे.

हुमायूं कबीर: टीएमसी के पूर्व मंत्री, जिन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था. अब वह अपनी नई पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी के बैनर तले डोमकल सीट से चुनाव लड़ रहे.

जाकिर हुसैन: 'बीड़ी किंग' के नाम से मशहूर टीएमसी उम्मीदवार जाकिर हुसैन जंगीपुर से मैदान में हैं. घोषित 133 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ वह इस चुनाव के सबसे अमीर उम्मीदवार हैं.

कृष्ण कल्याणी: रायगंज सीट से टीएमसी के उम्मीदवार. उन्होंने 2024 में भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की थी लेकिन बाद में पाला बदल लिया. उनका मुकाबला भाजपा के कौशिक चौधरी से है.

सुब्रत दत्ता: टीएमसी के टिकट पर ओन्दा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं. एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, वह उन उम्मीदवारों में शामिल हैं जिन पर सबसे अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं.

वोटिंग के बीच बंगाल में बोले प्रधानमंत्री मोदी

कई जिलों में तृणमूल का खाता तक नहीं खुलेगा

झालमुड़ी मैंने खाई, झटका तृणमूल को लगा

बेलूड़ मठ से सलकिया तक किया रोड शो

जंगलराज अब नहीं, जिसने लूटा है उसे लौटाना होगा

कोलकाता: बंगाल में एक तरफ जहां पहले चरण की वोटिंग हो रही थी, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी दूसरे फेज के लिए ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार करते रहे. दूसरे चरण के लिए वोटिंग 29 अप्रैल को है. बंगाल के बंगाल के कृष्णनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि झालमुड़ी मैंने खाई और झटका टीएमसी को लगी. 4 मई को मिठाई और झालमुड़ी दोनों बटेंगी. बंगाल के वकील सच्चे न्याय के लिए वोट करें. इस बार बंगाल का चुनाव जनता लड़ रही है. जहां भारी मतदान वहां बीजेपी की जीत. लोग कह रहे हैं कि बहुत हो गया. पीएम ने हावड़ा के बेलूड़ मठ से सलकिया तक रोड शो किया.

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान चल रहा है. 50 साल बाद चुनावी हिंसा में कमी आई है. बंगाल चुनाव में कम हिंसा चुनाव आयोग की सफलता है. पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल से भय जा रहा है, भरोसा आ रहा है. बंगाल में मतदान पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है. पहले बंगाल में गुंडाराज चलता था. पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता टीएमसी के जंगलराज के खिलाफ है. प्रधानमंत्री ने कहा कि जिसने लूटा है उसे लौटाना होगा. टीएमसी का जंगलराज अब नहीं चलेगा. टीएमसी घुसपैठ करती है, उसको संरक्षण देती है. अत्याचारियों-भ्रष्टाचारियों का हिसाब होगा. किसी को भी टीएमसी से डरने की जरूरत नहीं है. पीएम मोदी ने बंगाल की बहनों के लिए 10 गारंटी की बात कही. उन्होंने कहा कि महिलाओं को एक साल में 36 हजार देंगे. महिलाओं को 20 लाख का मुद्रा लोन मिलेगा.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यहां तो टीएमसी के विधायकों, मंत्रियों, लोकल नेताओं और इनके सिंडिकेट के खिलाफ इतना गुस्सा है कि कई जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुलेगा. 15 साल पहले वाम के विरुद्ध जनता ने बिगुल फूंका था. आज तृणमूल में जंगलराज के विरुद्ध बंगाल की जनता हर गली मोहल्ले में शंख फूंक रही है. ये चुनाव न मोदी लड़ रहा है और न ही मेरे साथी लड़ रहे हैं. पीएम मोदी ने कहा कि इस बार बंगाल का चुनाव यहां की जनता जनार्दन लड़ रही है.बंगाल के सरकारी कर्मचारी टीएमसी के भय से बाहर निकलने के लिए वोट दे रहे हैं. बंगाल के डॉक्टर भय से मुक्त होकर एक बेहतर सिस्टम के लिए वोट दे रहे हैं. यहां के वकील सच्चा न्याय दिलाने के लिए और शिक्षक भयमुक्त स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के लिए वोट दे रहे हैं.

ममता बनर्जी ने तृणमूल की जीत का किया दावा

कोलकाता: बंपर वोटिंग पर विभिन्न दलों के नेताओं की भी प्रतिक्रिया आई है और अपनी-अपनी जीत के दावे किए हैं. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में अब तक हुए मतदान से संकेत मिलता है कि तृणमूल कांग्रेस अभी से ही जीत की स्थिति में है. कोलकाता के बो बाजार इलाके में आयोजित रैली में ममता ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद वह सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर दिल्ली (केंद्र की सत्ता) पर विजय हासिल करेंगी. ममता ने कहा, मैं लोगों के मन को जितना समझ पाई हूं, उसके हिसाब से अभी तक हुए मतदान को देखते हुए यह कह सकती हूं कि हम पहले से ही जीत की स्थिति में हैं. उन्होंने कहा, मुझे किसी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है. मुझे कुर्सी नहीं चाहिए. मैं सिर्फ दिल्ली में भाजपा सरकार का अंत चाहती हूं. पहले फेज़ की वोटिंग लगभग खत्म हो चुकी है. 16 जिलों के 152 सेंटर्स पर वोटिंग चल रही है. तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी का आज भी कैंपेन प्रोग्राम है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज दो पब्लिक मीटिंग और एक जुलूस निकाला. पहली पब्लिक मीटिंग कोलकाता के चौरंगी असेंबली सीट पर हुई. उसके बाद, तृणमूल लीडर भवानीपुर कंसारीपारा शीतला मंदिर से पटुआपारा क्रॉसिंग तक जुलूस निकाल रही हैं. इस सीट से तृणमूल कैंडिडेट खुद ममता हैं. अभी, वह जादवपुर युवा संघ ग्राउंड में एक पब्लिक मीटिंग कर रही हैं. उन्होंने जादवपुर में पार्टी कैंडिडेट देवव्रत मजूमदार और टॉलीगंज असेंबली सीट के कैंडिडेट अरूप बिस्वास के सपोर्ट में पब्लिक मीटिंग कीं.

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

डूब चुका है तृणमूल का सूरज : अमित शाह

कोलकाता: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भाजपा की जीत का दावा किया है. उन्होंने एक्स पर लिखा कि टीएमसी के भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का सूरज डूब चुका है. एक अन्य पोस्ट में गृह मंत्री ने कहा कि मध्यमग्राम रोड-शो में यह भगवा रंग बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार का आक्रोश है, प्रतिशोध है. टीएमसी जा रही है. वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली में कहा कि चार मई को मतगणना वाला दिन बंगाल में टीएमसी की 15 साल पुरानी सिंडिकेट प्रणाली और महाजंगल राज की समाप्ति का दिन होगा. पीएम मोदी ने दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले काकद्वीप स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्य में भारी मतदान से संकेत मिलता है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 'भय' का शासन भाजपा द्वारा किए गए भरोसे के वादे से निश्चित रूप से पराजित हो रहा है. पश्चिम बंगाल में शाम सात बजे तक 152 पोलिंग स्टेशनों पर वोटर टर्नआउट 91.91 प्रतिशत था. इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हवाई यात्रा करते समय अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया.

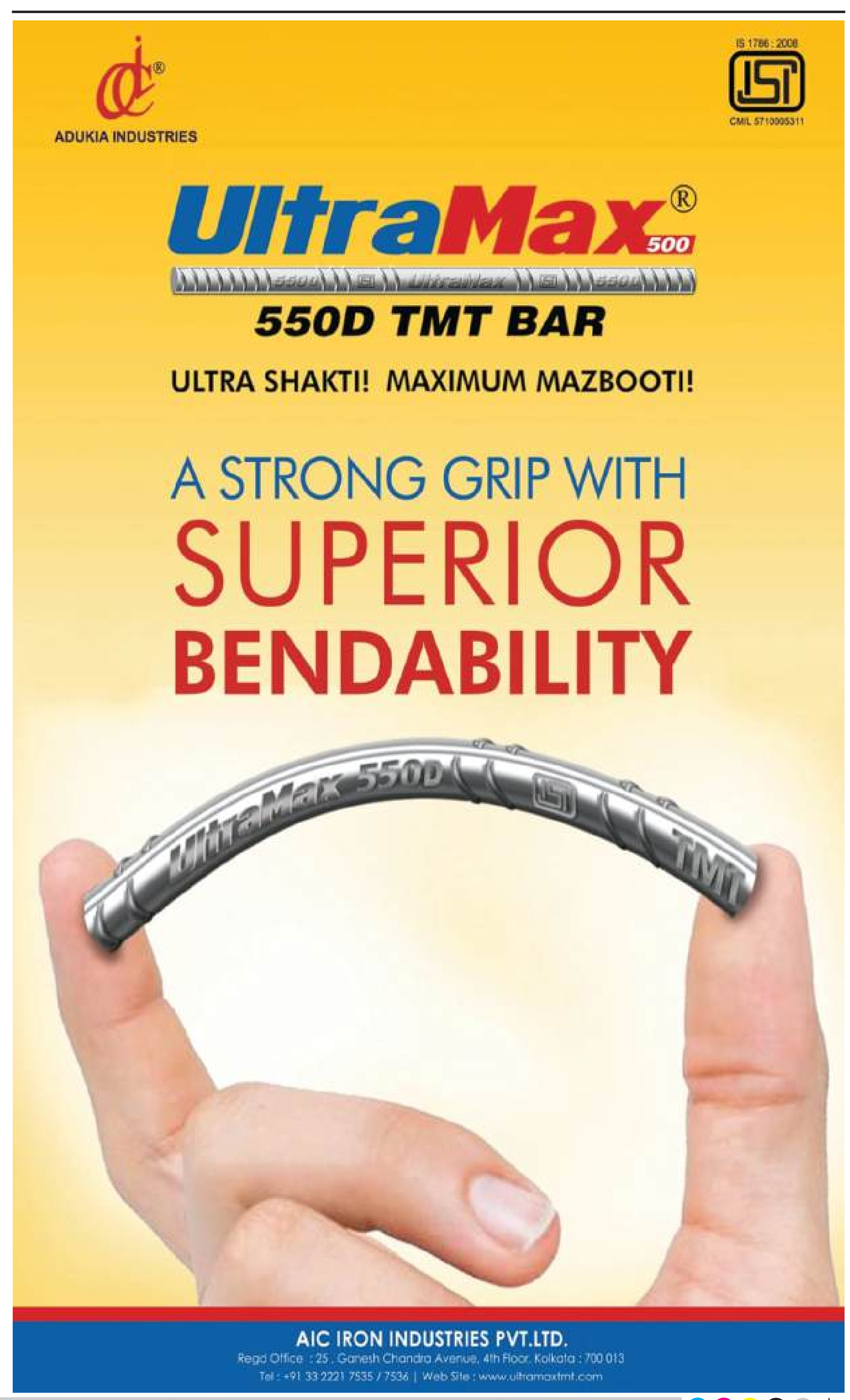

दूरगामी नतीजे होंगे, राष्ट्रपति शासन भी लग सकता है : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली: साल की शुरुआत में आई-पैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर और दफ्तर पर पड़े ईडी के छापे और उसके बाद ममता बनर्जी द्वारा कथित बाधा उत्पन्न किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई. कोर्ट ने गुरुवार को अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि संवैधानिक तंत्र के ठप होने के तर्क के काफी दूरगामी नतीजे होंगे, क्योंकि इससे राष्ट्रपति शासन भी लग सकता है. हालांकि, ईडी ने साफ किया कि वह यह तर्क नहीं दे रहा है कि पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से संवैधानिक तंत्र ठप हो गया है.

लाइव लॉ के अनुसार, सॉलिसिटर जनरल ने साफ किया कि ईडी का तर्क यह था कि आई-पैक मामले में कानून के शासन का उल्लंघन हुआ है, और इसे संवैधानिक तंत्र की विफलता के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए. इससे पहले, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि अगर कोई मुख्यमंत्री ईडी की जांच में दखल देता है तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा. आठ जनवरी को कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर और को फाउंडर जैन के घर पर ईडी ने तलाशी ली थी.

बहस के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि राज्य में कानून-व्यवस्था का पूरी तरह से उल्लंघन हुआ है, और मुख्यमंत्री का यह कदम कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले भी इसी तरह के काम किए हैं. सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह एक बड़ी चिंता है, जिस पर जस्टिस ने जवाब दिया कि हमें उम्मीद है कि आप उसी ओर संकेत नहीं कर रहे हैं. इस पर सरकारी वकील ने कहा कि ईडी कभी भी ऐसी दलील नहीं दे सकती है. मैं अधिकारियों और संस्था के पक्ष में हूं. यह बहुत सालों से स्थिति बनी हुई है. इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई सुझाव नहीं है, हम तो उस विवाद के संदर्भ के बारे में पूछ रहे हैं, जो विवाद खड़ा हो रहा है. जस्टिस अंजारिया ने संकेत दिया कि यह एक अतिवादी रुख हो सकता है, क्योंकि अनुच्छेद 356 के अनुसार, संवैधानिक तंत्र का ठप होना किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का एक आधार है. बता दें कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ठप होने का आरोप लगाते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2,700 करोड़ रुपये के कोयला तस्करी मामले से जुड़े कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर के खिलाफ अपनी जांच में रुकावट डालने के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया. जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने ईडी और उसके अधिकारी रॉबिन बंसल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू की दलीलें सुनीं. उन्होंने सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच करने का निर्देश देने की मांग की.

न्यूज कॉर्नर

पूर्व रेलवे ने मालदा मंडल में ट्रेन यात्रा को और बेहतर बनाया

कोलकाता : कल्पना कीजिए एक व्यस्त राजमार्ग की, जहां गाड़ियों को मीलों तक इंतज़ार करना पड़ता है, क्योंकि निकास द्वारों के बीच केवल एक ही लंबा मार्ग है. अब, कल्पना कीजिए कि उसी मार्ग के बीच में एक अतिरिक्त प्रवेश द्वार जोड़ दिया जाए, जिससे यातायात बहुत सुचारू रूप से चल सके. पूर्व रेलवे मालदा मंडल में आपकी रेल यात्राओं को ठीक इसी तरह बदल रही है. 22 अप्रैल, 2026 को, धुलियांगंगा और निमतिता स्टेशनों के बीच स्थित बासुदेबपुर में एक नई इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग (आईबीएस) प्रणाली का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया. यह उपलब्धि पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के नेतृत्व और पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री आशीष कुमार सक्सेना के निरंतर मार्गदर्शन से संभव हुई है.यद्यपि इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग शब्द सुनने में तकनीकी लग सकता है, लेकिन यात्रियों के दैनिक सफर पर इसका प्रभाव सरल और अत्यंत महत्वपूर्ण है. सामान्यतः एक ट्रेन को आगे वाली ट्रेन के लंबे ट्रैक सेक्शन से निकलने तक इंतजार करना पड़ता है. बसुदेवपुर में इस नई प्रणाली की स्थापना के साथ, इस लंबे खंड को छोटे-छोटे हिस्सों में विभाजित कर दिया गया है. इससे दूसरी ट्रेन पहले वाली ट्रेन के पीछे सुरक्षित रूप से पहले की तुलना में जल्द आगे बढ़ सकती है, जिससे सिग्नलों पर रुकने का समय कम होता है और यात्रा अधिक तेज हो जाती है.2026 की शुरुआत से यह छठी ऐसी परियोजना है, जो मालदा मंडल में पूर्ण आधुनिकीकरण की दिशा में तीव्र प्रगति को दर्शाता है. नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग तकनीक का उपयोग करके, पूर्व रेलवे न केवल पुरानी पटरियों की मरम्मत कर रही है, बल्कि एक भविष्य के लिए तैयार नेटवर्क का निर्माण कर रही है जो अधिक सटीकता के साथ अधिक ट्रेनों को संभाल सकता है. इसका अर्थ है अधिक विश्वसनीय समय सारिणी, कम अप्रत्याशित देरी और इस व्यस्त खंड पर प्रतिदिन निर्भर रहने वाले हजारों लोगों के लिए एक बेहतर यात्रा अनुभव

सिलीगुड़ी में ईवीएम खराबी से मतदान प्रभावित

सिलीगुड़ी : त्योहार जैसे माहौल में मतदान करने निकले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. गुरुवार सुबह से ही शहर के कई बूथों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में तकनीकी खराबी की खबर सामने आई है, जिसके कारण मतदाताओं को लंबी लाइन में खड़े रहने के बावजूद वोट नहीं डाल पाने से नाराजगी देखने को मिली.सिलीगुड़ी विधानसभा के अंतर्गत मार्गरेट स्कूल के बूथ नंबर 31 पर सुबह आठ बजे तक भी मतदान शुरू नहीं हो सका था. सूचना मिलते ही भाजपा उम्मीदवार शंकर घोष मौके पर पहुंचे, वोटरों से बातचीत की और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने तुरंत एसडीओ से फोन पर संपर्क कर जल्द समाधान की मांग की.वहीं, सिलीगुड़ी के रामकृष्ण पाठशाला (बूथ 26/235) में मॉक पोल के दौरान ही ईवीएम मशीन खराब हो गई, जिससे मतदान प्रक्रिया शुरू होने में काफी देर हुई. बताया जा रहा है कि नई ईवीएम मशीन लाई गई, जिसके बाद ही मतदान शुरू हो पाएगा.इसके अलावा, जगदीश हाई स्कूल के एक बूथ पर भी ईवीएम खराब होने की सूचना मिली थी. तेज गर्मी में लंबी कतारों में खड़े रहने के कारण खासकर बुजुर्ग मतदाताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. हालांकि चुनाव आयोग की ओर से मशीनों को जल्द ठीक करने या बदलने का काम कर दिया गया.

पहली बार बृहन्नला समुदाय के सात सदस्यों ने एक साथ मतदान किया

जलपाईगुड़ी: मतदान का मतलब है एक त्योहार, और इस बार धूपगुड़ी एक नया इतिहास देख रहा है. लंबे समय से उपेक्षित बृहन्नला समुदाय के सात सदस्यों ने पहली बार एक साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया.धूपगुड़ी नगरपालिका के वार्ड संख्या 14 के बूथ संख्या 204 में इस दृश्य ने एक अनूठे लोकतांत्रिक क्षण को जन्म दिया.मतदाताओं को सुबह से ही मतदान केंद्रों के सामने कतारों में खड़े देखा गया.लंबे इंतजार को खत्म करने का आनंद मेकअप, आत्मविश्वास और आंखों और चेहरे की चमक में स्पष्ट था. बूथ में एक-एक करके प्रवेश करने और मतदान करने के बाद, कई लोग भावनाओं को और नहीं रोक सके, कुछ की आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कान, दोनों के संयोजन से एक भावनात्मक माहौल बन गया.उनमें से एक, लिजा ने कांपती हुई आवाज़ में कहा, मैंने इतने लंबे समय से पहचान पत्र नहीं बनाया है. मुझे लगा कि यह हमारे लिए नहीं है. लेकिन आज मुझे एहसास हुआ कि हम भी इस देश के नागरिक हैं, हमारे भी अधिकार हैं. मैंने पहली बार मतदान किया और मैं बहुत खुश हूं.कई लोगों का मानना है कि यह केवल एक वोट नहीं है, बल्कि समाज की मुख्यधारा में हाशिए पर पड़े लोगों की वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

.सिलीगुड़ी में पहली बार वोट डालने आई युवती की वोट 'चोरी'

सिलीगुड़ी: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान सिलीगुड़ी के जगदीश चंद्र प्राथमिक विद्यालय स्थित बूथ संख्या 235 पर फर्जी वोटिंग का मामला सामने आने से सनसनी फैल गई. यहाँ एक युवती जब अपने जीवन का पहला वोट डालने पहुँची, तो उसे पता चला कि उसका वोट पहले ही कोई और डाल चुका है.घटना का विवरण:पहली बार मतदान का उत्साह पड़ा फीका: स्थानीय निवासी काजल दास आज अपने पिता गोपाल दास के साथ बड़े उत्साह से वोट डालने पहुँची थीं. लेकिन जैसे ही वे मतदान केंद्र के भीतर गईं, चुनाव कर्मियों ने बताया कि उनके नाम का वोट पहले ही दर्ज किया जा चुका है.मतदाता का आक्रोश: अपना पहला वोट न दे पाने के कारण काजल दास भावुक हो गईं और उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए इस घटना को मीडिया के सामने रखा. उन्होंने प्रशासन और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए.शंकर घोष का हस्तक्षेप:उसी समय सिलीगुड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार शंकर घोष उक्त मतदान केंद्र का दौरा कर बाहर निकल रहे थे. युवती की समस्या सुनते ही वे तुरंत उसके पास पहुँचे और मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे साथ लेकर पुनः बूथ के भीतर गए.अधिकारियों से जवाब-तलब: शंकर घोष ने वहां तैनात मतदान अधिकारियों से इस चूक का कारण पूछा. प्राथमिक जांच में सामने आया कि काजल दास की 'वोटर स्लिप' किसी गलत व्यक्ति के हाथ लग गई थी, जिसके आधार पर फर्जी वोट डाल दिया गया.एसडीओ से शिकायत: शंकर घोष ने इस लापरवाही के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया और तुरंत सिलीगुड़ी के एसडीओ से फोन पर बात की. उन्होंने मांग की कि काजल दास के लोकतांत्रिक अधिकार की रक्षा की जाए और उन्हें पुनः वोट डालने का अवसर दिया जाए.प्रशासनिक रुख:अधिकारियों ने स्वीकार किया कि यह एक तकनीकी और प्रक्रियात्मक चूक है. चुनाव आयोग के नियमों के तहत, ऐसे मामलों में पीड़ित मतदाता को 'टेंडर वोट' डालने की अनुमति दी जाती है. प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहा है कि आखिर किसकी गलती से फर्जी व्यक्ति को मतदान करने की अनुमति मिली.

नाओदा में हुमायूं कबीर को झेलना पड़ा विरोध, 'लगे चोर-चोर' के नारे

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के नाओदा में गुरुवार सुबह उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब आमजनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख और उम्मीदवार हुमायूं कबीर को भारी विरोध का सामना करना पड़ा.

बताया गया कि हुमायूं कबीर मतदान का जायजा लेने नाओदा थाना क्षेत्र के शिवनगर गांव स्थित 173 नंबर बूथ पर पहुंचे थे. उसी दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें घेर लिया और 'गो बैक' तथा 'चोर-चोर' के नारे लगाने शुरू कर दिए. कुछ लोगों को 'बीजेपी का दलाल' जैसे नारे लगाते हुए भी देखा गया.

स्थिति तब और बिगड़ गई जब हुमायूं कबीर अपना आपा खो बैठे और प्रदर्शनकारियों की ओर बढ़ गए. इसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई की स्थिति बन गई, जिससे माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया.घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बलों के जवान मौके पर पहुंचे और सख्ती के साथ हालात को काबू में किया. हालांकि, घटना के बाद हुमायूं कबीर खुद सड़क पर धरने पर बैठ गए और आरोप लगाया कि यह पूरी घटना तृणमूल कांग्रेस द्वारा जानबूझकर अशांति फैलाने के लिए कराई गई है. उन्होंने कहा कि वह इस मामले को अंत तक लेकर जाएंगे.इसी बीच डोमकल इलाके से भी आरोप सामने आया है कि वामपंथी समर्थकों को वोट डालने से रोका गया. इस मामले में आरोप तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए हैं.

चुनाव आयोग ने इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत रिपोर्ट तलब की है. उल्लेखनीय है कि मतदान से एक रात पहले से ही मुर्शिदाबाद के कई इलाके तनावग्रस्त रहे-कहीं तृणमूल और वाम समर्थकों के बीच झड़प हुई, तो कहीं तृणमूल उम्मीदवार को निशाना बनाकर बमबाजी की घटनाएं सामने आईं.

विपक्षी दलों ने पुलिस पर निष्क्रिय रहने का आरोप लगाया है, हालांकि जिला पुलिस प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है.

सामसी में मतदान के दौरान हृदयाघात से महिला मतदाता की मौत

मालदा : लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने निकली एक महिला मतदाता की मौत ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया. मालतीपुर विधानसभा के कांडारण इलाके में गुरुवार को वोट देने पहुंची प्रमिला बागदी (47) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. परिवार के अनुसार, प्रमिला बागदी सुबह करीब 11 बजे वोट डालने के उत्साह के साथ घर से निकली थी. कांडारण जूनियर हाई स्कूल स्थित 152 नंबर बूथ पर पहुंचने के बाद, वोट डालने से पहले ही उन्हें अचानक चक्कर आया और वे गिर पड़ी. मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें संभाला और परिजनों को सूचना दी. परिजन उन्हें इलाज के लिए सामसी अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई.

मतदान केंद्र पर 'रामलाल' के पहुंचने से दिलचस्प बना माहौल

कोलकाताः आंकड़ों की बिसात, सियासी बयानबाजी और बढ़ते तनाव के बीच जारी चुनावी जंग में गुरुवार सुबह पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में एक मतदान केंद्र पर माहौल तब दिलचस्प हो गया जब 'रामलाल' नाम का एक हाथी भटकते हुए अचानक वहां पहुंच गया. जंगलमहल के घने जंगलों के बीच स्थित जितुशोल प्राथमिक विद्यालय में मतदान अभी ठीक से शुरू भी नहीं हो पाया था कि अप्रत्याशित मेहमान ने पूरे माहौल को रोचक बना दिया. मतदानकर्मी अपनी व्यवस्थाओं में जुटे थे और मतदाता धीरे-धीरे बूथ की ओर बढ़ रहे थे, तभी 'रामलाल' वहां पहुंच गया. कतार के पास से गुजरते हुए उसकी मौजूदगी ने कुछ क्षण के लिए मतदान की रफ्तार थाम दी- न कोई शोर-शराबा हुआ, न अफरा-तफरी, लेकिन सभी की निगाहें उसी पर टिक गईं.

राजनीतिक दबदबे और ताकत के प्रदर्शन के लिए चर्चित इस राज्य में यह एक अलग तरह का शक्ति प्रदर्शन था- जहां न नारे थे, न भीड़, लेकिन फिर भी सबका ध्यान उसी पर केंद्रित हो गया.

लोढ़ाशुली रेंज से पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए हाथी को सावधानीपूर्वक सुरक्षित दूरी की ओर मोड़ दिया, जिसके बाद मतदान की प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू हो सकी. कुछ ही मिनटों में बूथ पर सामान्य स्थिति बहाल हो गई, और अब लोग हाथी को देखने नहीं, बल्कि ईवीएम का बटन दबाने के लिए कतार में खड़े थे.

पूर्वाह्न 11 बजे तक पहले चरण की 152 सीट पर करीब 41 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. अधिकारियों के अनुसार, रात में हुईं छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान प्रक्रिया काफी हद तक शांतिपूर्ण है. जंगलमहल में मानव और वन्यजीव संघर्ष रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है, हालांकि प्रशासन ने इस चुनौती को भी उतनी ही गंभीरता से लिया था, जितनी किसी राजनीतिक संवेदनशीलता को. हाथियों की निगरानी और त्वरित कार्रवाई दल सहित विशेष टीम पूरे क्षेत्र में तैनात की गई थीं. वन विभाग ने अपने 'ऐरावत' वाहनों को भी सक्रिय किया, जबकि अनुभवी 'हुल्ला' दल तैयार रखे गए थे-इस बार भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नहीं, बल्कि भटके हुए हाथियों को मतदान केंद्रों से दूर रखने के लिए. अधिकारियों ने बताया कि मतदानकर्मियों और वन विभाग के दलों के बीच समन्वय को और मजबूत किया गया. किसी भी वन्यजीव की आवाजाही पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आपात संपर्क व्यवस्था भी स्थापित की गई. स्थानीय लोगों के अनुसार, 'रामलाल' इस इलाके के लिए कोई अजनबी नहीं है. झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा और यहां तक कि पड़ोसी ओडिशा तथा झारखंड में अकेले विचरण करने वाले इस हाथी

हुगली में वृद्धा ने की आत्महत्या, इलाके में सनसनी

हुगली : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच हुगली जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहां 65 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. घटना दादपुर थाना क्षेत्र के आईमा सोमसारा गांव की बताई जा रही है. गुरुवार सुबह महिला का शव घर के पास बांस के बागान में फांसी के फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृत महिला की पहचान रबी माझी के रूप में हुई है.परिवार के अनुसार, वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से काफी परेशान थीं. घटना के बाद पूरे परिवार में शोक का माहौल है और स्थानीय लोगों में भी गहरा आक्रोश व चिंता देखी जा रही है.परिजनों का कहना है कि महिला पर मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा था.

दस्तावेजों में नाम को लेकर गड़बड़ी

भाजपा कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला

कूचबिहार: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान कूचबिहार जिले के सिताई विधानसभा क्षेत्र से हिंसा की एक डरावनी खबर सामने आई है. यहाँ के ओकड़ाबाड़ी 6 नंबर मंडल के बूथ संख्या 270 पर एक भाजपा कार्यकर्ता पर कथित तौर पर चाकू से हमला किया गया है. भाजपा ने इस हमले का सीधा आरोप सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस पर लगाया है.घटना का विवरण:कार्यकर्ता पर हमला: घायल भाजपा कार्यकर्ता की पहचान जहानूर इस्लाम के रूप में हुई है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, जहानूर जब मतदान केंद्र के पास मौजूद थे, तभी कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों ने उन्हें घेर लिया. बहस के दौरान उन पर चाकू से हमला किया गया.हाथ में लगी गंभीर चोट: जहानूर इस्लाम को बचाने की कोशिश में चाकू उनके हाथ पर लगा, जिससे वे लहूलुहान हो गए. मौके पर मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं ने उन्हें तुरंत वहां से निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है.राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप:भाजपा का दावा: स्थानीय भाजपा नेतृत्व ने इसे 'हत्या की कोशिश' करार दिया है. उनका कहना है कि टीएमसी हार के डर से आतंक फैला रही है और अल्पसंख्यक समुदाय के उन लोगों को निशाना बना रही है जो भाजपा के साथ जुड़े हैं.टीएमसी का इनकार: वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है. उनका कहना है कि यह भाजपा की आपसी गुटबाजी का नतीजा हो सकता है या फिर किसी निजी विवाद को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है.

प्रशासनिक कार्रवाई:घटना के बाद 270 नंबर बूथ के आसपास के इलाके में भारी तनाव फैल गया है. सूचना मिलते ही पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल मौके पर पहुँचे और स्थिति को नियंत्रित किया. चुनाव आयोग ने घटना की रिपोर्ट मांगी है और हमलावरों की पहचान कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है.

भरतपुर में बूथों पर हंगामा, बहरमपुर में ईवीएम खराब-कांग्रेस ने दोबारा मतदान की मांग की

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों में मतदान के बीच अव्यवस्था और तनाव की खबरें सामने आई हैं. खासकर भरतपुर और बहरमपुर क्षेत्रों में स्थिति को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं.

मिली जानकारी के अनुसार, भरतपुर के कई मतदान केंद्रों पर हंगामे और गड़बड़ी की शिकायतें मिलीं. वहीं बहरमपुर में कई बूथों पर ईवीएम खराब होने के कारण मतदान प्रक्रिया बाधित हुई. इससे लंबी कतारों में खड़े मतदाताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और कई लोग बिना वोट डाले लौटने को मजबूर हुए.कांग्रेस नेताओं ने इन घटनाओं को गंभीर बताते हुए आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से नहीं हो रही है. पार्टी की ओर से चुनाव आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) से शिकायत दर्ज कराई गई है और प्रभावित बूथों पर पुनर्मतदान (री-पोल) की मांग की गई है.

कांग्रेस का कहना है कि जहां-जहां ईवीएम में खराबी और गड़बड़ी हुई है, वहां निष्पक्ष मतदान संभव नहीं हो पाया, इसलिए दोबारा मतदान कराना जरूरी है.इस बीच चुनाव आयोग ने शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए रिपोर्ट तलब की है और मामले की जांच शुरू कर दी है.गौरतलब है कि राज्य में मतदान के दौरान कुछ जगहों से ईवीएम खराब होने और छिटपुट झड़पों की खबरें पहले भी सामने आई हैं, जिससे चुनावी माहौल संवेदनशील बना हुआ है.

रेलवे न्यूज

रेल वन ऐप के लिए माह व्यापी प्रचार अभियान शुरू

कोलकाता : रेल वन ऐप के पिछले कैंपेन से मिली ज़बरदस्त सफलता और पॉज़िटिव फ़ीडबैक के बाद, ईस्टर्न रेलवे, सियालदह डिवीज़न ने 'रेल वन मोबाइल' एप्लिकेशन को प्रमोट करने के लिए एक और महीने भर चलने वाला इंटेंसिव अवेयरनेस कैंपेन शुरू किया है. इस प्रोग्राम को फिर से शुरू करने का फ़ैसला पिछली ड्राइव के दौरान डिजिटल टिकट बुकिंग में आई बड़ी बढ़ोतरी की वजह से लिया गया है, जहां यात्रियों ने ट्रेडिशनल काउंटर लाइनों के बजाय मोबाइल टिकटिंग सिस्टम को ज़्यादा पसंद किया. इस कैंपेन को एक और महीने के लिए बढ़ाकर, डिवीज़न का मकसद पेपरलेस यात्रा की तरफ़ बदलाव को और मज़बूत करना है और यह पक्का करना है कि और भी ज़्यादा यात्रियों के पास अपनी यात्रा को डिजिटल तरीके से मैनेज करने के लिए टूल्स हों.इस महीने भर चलने वाले प्रोग्राम के दौरान, पूरे डिवीज़न में कमर्शियल डिपार्टमेंट की डेडिकेटेड टीमें यात्रियों की मदद करने के लिए बड़े रेलवे हब पर तैनात रहेंगी, ताकि उन्हें ऐप के इंटरफ़ेस को नेविगेट करने, अपने अकाउंट रजिस्टर करने और आसान ट्रांज़ैक्शन के लिए आर-वालेट का इस्तेमाल करने में मदद मिल सके. पिछले रेल वन एप कैंपेन की सफलता यह साबित करती है कि सही गाइडेंस और सपोर्ट मिलने पर पैसेंजर डिजिटल इंडिया पहल को अपनाने के लिए तैयार हैं. इस नई कोशिश से उम्मीद है कि फिजिकल बुकिंग विंडो पर भीड़ काफी कम हो जाएगी, जिससे इस डिवीज़न से रोज़ाना सफ़र करने वाले लाखों पैसेंजर को तेज़, ज़्यादा बेहतर और इको-फ्रेंडली आने-जाने का अनुभव मिलेगा.

चुनाव ड्यूटी के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने कायम की सेवा की मिसाल

कोलकाता : मैं वोट देना चाहती थी, लेकिन मेरे पैर जवाब दे चुके थे. जब वर्दीधारी जवान ने मुझे अपनी मां की तरह गोद में उठाया, तो मुझे लगा मानो भगवान ने ही उसे भेजा हो, 94 वर्षीय शांति देवी (परिवर्तित नाम) ने कृतज्ञता से चमकती आँखों के साथ फुसफुसाते हुए कहा. उनकी यह कहानी पूर्व रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की गहरी मानवीय संवेदनशीलता का प्रमाण है.पश्चिम बंगाल की धूल भरी गलियों में, इस चुनाव के मौसम में कर्तव्य का एकअलग ही रूप देखने को मिला. आरपीएफ पटरियों और ट्रेनों की सुरक्षा के लिए जानी जाती है, लेकिन चुनाव ड्यूटी पर उनकी तैनाती ने उनके मानवीय पक्ष को तब उजागर किया, जब बुजुर्ग मतदाता मतदान केंद्रों पर पहुँचे और चलने में असमर्थ थे, तो जवानों ने बिना झिझक उनकी मदद की. वे लोकतंत्र के सेतु बन गए-दादी-नानियों को अपनी गोद में उठाकर और उन्हें ऊबड़-खाबड़ रास्तों से ले जाकर यह सुनिश्चित किया कि उनकी आवाज़ सुनी जाए. आरपीएफ के लिए राइफल का भार के साथ बुजुर्गों की गरिमा की रक्षा करने का दयित्व भार भी था. पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में, सुरक्षा बल ने अपने मूल सुरक्षा दायित्वों के साथ-साथ मानवीय सहायता को भी प्राथमिकता दी है.

नाओदा में बमबाजी, चुनाव आयोग ने मांगी रिपोर्ट

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के नाओदा इलाके में हिंसा की घटना सामने आई है. मतदान से ठीक पहले बुधवार रात तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार साहिना मुमताज खान को निशाना बनाकर बम फेंके जाने का आरोप लगाया गया है.यह घटना नाओदा के शिवनगर क्षेत्र में हुई, जो एक मतदान केंद्र से लगभग 50 मीटर की दूरी पर स्थित बताया जा रहा है. रात में हुई इस बमबाजी से इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया. स्थानीय लोगों में डर का माहौल देखा गया.सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए और हालात को काबू में करने की कोशिश की गई. हालांकि, हुमायूं कबीर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है.इससे पहले भी नाओदा इलाके में तृणमूल कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की घटना सामने आई थी,

जिससे पहले से ही तनाव का माहौल

आसनसोल में वोट डालने के बाद शत्रुघ्न सिन्हा का भाजपा व पीएम मोदी पर निशाना

आसनसोल : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में गुरुवार को पहले चरण के मतदान के बीच आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस सांसद और बालीवुड अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने उत्तर विधानसभा क्षेत्र के महिला संचालित बूथ, रविंद्र भवन में पहुंचकर बूथ संख्या 39 पर अपना वोट डाला.

मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में सांसद अभिनेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर राज्य में जाकर जंगलराज की बात करते हैं, लेकिन जो कहते हैं वह करते नहीं हैं. उन्होंने दावा किया कि बंगाल में परिवर्तन की नहीं बल्कि ममता बनर्जी के समर्थन की लहर है.उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बदलाव की नहीं, बल्कि ममता बनर्जी के समर्थन की लहर है. शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि 4 मई को मतगणना के दिन ममता जी का जादू और तृणमूल कांग्रेस का चुनाव चिन्ह साफ नजर आएगा.

एंटी-इन्कम्बेंसी के सवाल पर शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि अगर 11 साल से केंद्र में सरकार चला रही भाजपा के खिलाफ एंटी-इन्कम्बेंसी नहीं है, तो बंगाल सरकार के खिलाफ यह मुद्दा उठाना सिर्फ जुमलेबाजी है. उन्होंने बिहार, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों का उदाहरण देते हुए भाजपा पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया.उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी के नेतृत्व में लगातार जीत हासिल करती रही है. इसी कारण भारत का नागरिक होने के नाते उनका फर्ज बनता था कि बिहारी बाबू, बंगाली बाबू और सही मायने में हिंदुस्तानी बाबू होने के नाते वह यहां आकर मतदान करें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी सभाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उनके मित्र हैं, लेकिन जिस तरह से वह अपना वक्त जाया कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है. तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि पिछली बार चुनाव के बाद प्रधानमंत्री गुफा में फैंसी ड्रेस पहनकर बैठ गए थे, जिसे मीडिया ने खूब दिखाया था.उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्र के नाम संदेश देने के समय भी प्रधानमंत्री ने राजनीतिक बातें कीं और अपने विरोधियों को कोसा, लेकिन इस पर कोई सवाल नहीं उठाता. शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि भाजपा की बातें पुरानी बोतल में नई शराब जैसी हैं और अब जनता इन बातों को समझ चुकी है.उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने जिस तरह उच्चतम न्यायालय में अपना पक्ष रखा, उसे लोगों ने देखा. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने एक गार्जियन, बहन और बेटी की तरह लोगों के लिए लड़ाई लड़ी, जो सराहनीय है.सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने आरोप लगाया कि अब भी लाखों लोगों के वोट कटे हुए हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा के पास धनशक्ति और प्रचारशक्ति है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के पास जनशक्ति है, और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है.

ममता-अभिषेक और शाह ने समानांतर रणनीति कक्ष का किया संचालन

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा की 152 सीटों पर गुरुवार को पहले चरण का मतदान हुआ. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता अमित शाह ने क्रमशः कालीघाट और साल्ट लेक से अपने अपने दलों के रणनीति कक्ष का संचालन किया तथा इस महत्वपूर्ण चुनावी मुकाबले में वास्तविक समय में मतदान और बूथ स्तर की गतिविधियों पर पल- पल नजर रखी. बनर्जी के साथ उनके भतीजे और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी थे, जबकि शाह के साथ केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता थे. सुबह से ही, सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस का राजनीतिक केंद्र कालीघाट एक तरह से कमांड सेंटर बन गया. पार्टी सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी मतदान के रुझानों, जिले से मिली जानकारी और किसी भी तरह की गड़बड़ी के संकेतों पर कड़ी नजर रख रहे थे. स्थानीय सूत्रों ने व्यापक नेटवर्क से सुसज्जित तृणमूल नेतृत्व न केवल निगरानी कर रहा था, बल्कि जिले के नेताओं को, विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में, निर्देश भी जारी कर रहा था. पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि एक बेहद प्रतिस्पर्धी चुनाव में यह सतर्कता की एक अतिरिक्त कड़ी की तरह था.

चुनाव प्रचार के दौरान ईवीएम में कथित हेराफेरी को लेकर बनर्जी द्वारा बार-बार सार्वजनिक चेतावनी दिए जाने के बाद सतर्कता बढ़ाई गई है, जिसमें मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से खराब मशीनों को अस्वीकार करने और चुनावी

कदाचार के किसी भी प्रयास के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया है. अगर कालीघाट तृणमूल कांग्रेस का पारंपरिक केंद्र था, तो भाजपा के सॉल्ट लेक कार्यालय में भी एक समानांतर कमान संरचना बनायी गयी थी जहां चुनावी गतिविधियों पर नजर रखने के लिये शाह खुद मौजूद थे. बंगाल की चुनावी लड़ाई पर केंद्रीय नेतृत्व की मजबूत पकड़ को रेखांकित करते हुए मतदान शुरू होने के कुछ ही समय बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां सॉल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी के रणनीति कक्ष का दौरा किया. सूत्रों ने बताया कि राज्य में पार्टी के चुनाव प्रचार की बारीकी से निगरानी कर रहे शाह सुबह रणनीति कक्ष पहुंचे और जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की. यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनकी आधिकारिक यात्रा का हिस्सा नहीं था और उत्तरी बंगाल के कई निर्वाचन क्षेत्रों और दक्षिणी बंगाल के कुछ हिस्सों में मतदान शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद हुआ था. सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया, विशेष रूप से उत्तरी बंगाल के उन जिलों में जहां भाजपा अपना गढ़ बरकरार रखना चाहती है. उन्होंने मतदान प्रतिशत और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की रिपोर्ट के संबंध में पार्टी पदाधिकारियों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं की भी समीक्षा की. इस दौरे से यह संकेत मिलता है कि भाजपा नेतृत्व पहले चरण को कितना महत्व दे रहा है, जिसे व्यापक रूप से दो चरणों वाले चुनाव के शेष हिस्से के लिए माहौल तैयार करने वाला माना जा रहा है. जहां एक ओर मतदाता मतदान केंद्रों के बाहर भीषण गर्मी और उमस का सामना कर रहे थे, वहीं इस 'रणनीति कक्ष' के भीतर की गहमागहमी एक गहरे राजनीतिक द्वंद्व को दर्शाती थी - जो विमर्श पर नियंत्रण, संगठनात्मक शक्ति और त्वरित प्रतिक्रिया को लेकर था. तृणमूल के लिए, मुख्य जोर एक विकेंद्रीकृत लेकिन मजबूती से समन्वित जमीनी स्तर के नेटवर्क के माध्यम से अपने गढ़ की रक्षा करने पर था, जिसमें ममता बनर्जी अपनी आजमाई हुई जिला स्तरीय मशीनरी पर भरोसा कर रही थीं. भाजपा के लिए, यह रणनीति एक केंद्रीकृत, डेटा-संचालित अभियान की छाप लिए हुए थी, जिसमें शाह के सीधे दखल ने चुनावी मैदान को सूक्ष्म रूप से प्रबंधित करने और प्रमुख क्षेत्रों में अधिकतम लाभ प्राप्त करने के पार्टी के प्रयास को उजागर किया.

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के बीच बेलूड़ मठ जाकर संतों से भेंट की

हावड़ाः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का प्रचार करने आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूड़ मठ गए और संतों से भेंट की. मोदी दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद हावड़ा के बेलूड़ पहुंचे. उन्होंने रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं को पुष्पांजलि अर्पित की और मठ के संतों के साथ बातचीत की. प्रधानमंत्री ने इस की अपनी पिछली यात्राओं को याद किया. उन्होंने कहा कि उनका शुरू से इस मठ से जुड़ाव रहा है.

पहले चरण में उम्मीदवारों ने डाले वोट, नेताओं ने शांतिपूर्ण मतदान और बदलाव का किया दावा

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के मतदान के बीच विभिन्न पार्टियों के प्रमुख उम्मीदवारों और नेताओं ने गुरुवार सुबह अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर वोट डाला. मतदान के साथ ही नेताओं ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने मतदान करने के बाद कहा कि राज्य में परिवर्तन की लहर है. उन्होंने दावा किया कि अब तक मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा है और चुनाव आयोग ने पिछली बार की तुलना में बेहतर व्यवस्था की है. शुभेंदु ने लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील भी की. भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने पश्चिम मेदिनीपुर के खड़गपुर क्षेत्र में मतदान किया. मतदान के बाद उन्होंने कहा कि लोग शांति से वोट दे रहे हैं और माहौल सामान्य है. जहां आवश्यकता होगी, वहां वे जाएंगे. आसनसोल दक्षिण सीट से भाजपा प्रत्याशी अग्निमित्रा पाल ने भी सुबह मतदान किया. वहीं तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी गौतम देव ने सिलीगुड़ी में सामान्य मतदाताओं के साथ कतार में खड़े होकर वोट डाला. मतदान के बाद उन्होंने चुनाव आयोग की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल भी उठाए.

भव्य जिनालय निर्माण हेतु शिलान्यास समारोह सम्पन्न

श्रद्धा, एकता एवं संकल्प का ऐतिहासिक संगम

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाताः कोलकाता में दिगम्बर जैन समाज के लिए आज एक ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक क्षण साकार हुआ, जब 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन जिनालय के भव्य निर्माण हेतु शिलान्यास समारोह अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ.

यह गौरवपूर्ण अवसर समाज की वर्षों पुरानी आकांक्षा के साकार होने का प्रतीक बना. हजारों श्रद्धालुओं, शिलादाता परिवारों, ट्रस्टियों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह दिव्य अनुष्ठान पूर्ण विधि-विधान से सम्पन्न हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति एवं उत्साह से ओत-प्रोत कर दिया.

इस पावन क्रम की शुरुआत 22 अप्रैल को आयोजित भूमिपूजन एवं वास्तु-विधान से हुई, जिसके पश्चात 23 अप्रैल को शिलान्यास का मुख्य कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. मुख्य शिलान्यास कर्ता श्री सुभाष बडजात्या परिवार ने प्रथम शिला रखी . बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्वयं शिला अर्पित कर इस महायज्ञ में सहभागिता की, जिससे यह आयोजन एक जन-आंदोलन का स्वरूप लेता हुआ प्रतीत हुआ.

उल्लेखनीय है कि इस भव्य शिलान्यास की पृष्ठभूमि दिनांक 5 अप्रैल 2026 को कला मंदिर, कोलकाता में आयोजित प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम से तैयार हुई थी. उस कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथिगण, ट्रस्ट पदाधिकारी एवं प्रमुख समाजजन द्वारा व्यक्त प्रेरणा, समर्थन एवं आह्वान का ही प्रत्यक्ष परिणाम आज के इस भव्य शिलान्यास समारोह में देखने को मिला.

नंदीग्राम में बूथ एजेंट को लेकर तृणमूल और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है. तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि नंदीग्राम के 55 मतदान केंद्रों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)अपना एजेंट तक नहीं दे पाई. हालांकि भाजपा ने इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है.

तृणमूल नेता शेख सूफियान ने कहा कि कई बूथों पर भाजपा के एजेंट मौजूद नहीं हैं. वहीं भाजपा की ओर से तमलुक जिला इकाई के महासचिव मेघनाद पाल ने इस आरोप को निराधार बताया. उन्होंने कहा कि तृणमूल बताए कि किन-किन बूथों पर एजेंट नहीं हैं.

इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया है कि नंदीग्राम में पुलिस भाजपा के पक्ष में काम कर रही

है. पार्टी ने दो पुलिस अधिकारियों के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है. गुरुवार सुबह राज्य की निवर्तमान मंत्री शशि पांजा ने पत्रकार वार्ता कर कहा कि जिन दो पुलिसकर्मियों पर पक्षपात के आरोप हैं, उन्हें नंदीग्राम में चुनाव ड्यूटी पर लगाया गया है. इस मुद्दे पर तृणमूल के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल से मुलाकात कर शिकायत भी सौंपी है. वहीं नंदीग्राम सीट से भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार सुबह मतदान करने के बाद कहा कि इस बार मतदान शांतिपूर्ण और बेहतर तरीके से हो रहा है. हालांकि उन्होंने पिंगला थाना प्रभारी चिन्मय प्रमाणिक पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए उनके निलंबन की मांग की. उल्लेखनीय है कि नंदीग्राम सीट को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सबसे चर्चित सीटों में से एक माना जा रहा है, जहां मतदान के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है.

विधानसभा चुनाव

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बंगाल के सीईओ को फोन कर पहले चरण के मतदान की ली जानकारी

कोलकाताः मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को फोन कर राज्य विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान के मद्देनजर जमीनी हालात की जानकारी ली. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान कुमार ने राज्य के सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल से कहा कि मतदान अच्छी तरह से चल रहा है, लेकिन सुधार की गुंजाइश है.

अरविंद केजरीवाल तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में 26 और 27 अप्रैल को करेंगे चुनाव प्रचार

नई दिल्ली/कोलकाताः आम आदमी पार्टी (आप)के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए समर्थन मांगने के वास्ते 26 और 27 अप्रैल को चुनाव प्रचार करेंगे. आप सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. आप ने बताया कि केजरीवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के निमंत्रण पर राज्य का दौरा करेंगे और उनके लिए जनता से समर्थन मांगेंगे. सूत्रों के मुताबिक दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री दूसरे चरण में तृणमूल के चुनाव प्रचार अभियान के तहत जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकते हैं. केजरीवाल ने बुधवार को कहा था कि उन्होंने बनर्जी से फोन पर बात की है और उन्हें अपना पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की.

अदालत ने आई-पैक निदेशक विनेश चंदेल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली/कोलकाताः दिल्ली की एक अदालत ने राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के सह-संस्थापक एवं निदेशक विनेश चंदेल को पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गुरुवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीप्ति देवेश ने आरोपी की न्यायिक हिरासत का आग्रह किए जाने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को स्वीकार कर लिया. उन्हें ईडी की 10 दिन की हिरासत पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया. अदालत ने संघीय जांच एजेंसी को चंदेल को 10 दिनों तक हिरासत में रखने की अनुमति 14 अप्रैल को दी थी, ताकि उससे पूछताछ की जा सके.

'सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है'

मटियाबुर्ज से अभिषेक बनर्जी ने राहत इंदौरी के लफ्जों से बोला केन्द्र पर हमला

कोलकाताः बंगाल में प्रथम चरण के मतदान के प्रथम दिन आज शाम तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मटियाबुर्ज स्थित करबला के पिंक स्क्वायर में केन्द्र सरकार पर जोरदार हमला बोला और कहा कि मेरा सिर दिल्ली के दरिंदों के सामने नहीं झुकेगा. मटियाबुर्ज विधानसभा के प्रार्थी अब्दुल खालेक मोल्ला के चुनावी सभा से अभिषेक बनर्जी ने दहाड़ते गुए कहा कि, हमे बांटने वाले खुद बंट जाएगें. उन्होंने कहा कि सबको पता है कि, केन्द्र की एजेंसी ने न सिर्फ मुझे परेशान किया बरन मेरा मासूम बच्चे से लेकर पत्नी तक को परेशान किया. लेकिन याद रखें वह लोग चाहे जितना जुल्म कर ले वह मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते कारण बंगाल की जनता उनके साथ है. लोगों के खाने को लेकर व्यंग्य करते थे वहीं लोग आज मछली लेकर हाथ में चुनाव प्रचार कर रहें हैं. तृणमूल को रोकना आसान नहीं हैं जितनी भी सरकारी एजेंसियां लगा ले वह बंगाल का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. मै आपलोगों से वादा करते हूं कि उक्त लोगों को मै चुनाव के बाद बाजार में बैठाकर मछली कटवाउंगा. अभिषेक बनर्जी ने अधीर चौधरी पर हमला वर होते हुए नौशाद सिद्दकी सहित तमाम नेताओं को लेकर कहा कि आखिर बताये कि, इन लोगों को कौन सुरक्षा देता है. अभिषेक बनर्जी ने कहा कि, इन्हें सीआरपीएफ सुरक्षा देती है और पीछे से केन्द्र का समर्थन होता है. जो लोग बंगाल को बंटने की साजिश कर रहें हैं उन्हें बंगाल की जनता उचित जवाब देगी. अभिषेक ने कहा कि जनता सरकार बनाती है लेकिन सरकार जनता को नहीं. सरकार किरायेदार होती है. लेकिन केन्द्र सरकार हम लोगों से इस मिट्टी का होने का कागज मांगती है. राहत इंदौरी के इस शेर कि, अगर खिलाफ हैं होने दो, जान थोड़ी है ये सब धुआं है कोई आसमान थोड़ी है, सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है.

ममता सहानुभूति की राजनीति कर रही हैं, बंगाल में भाजपा जीतेगी- दिलीप घोष

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सहानुभूति कार्ड खेलने का आरोप लगाया है. दिलीप घोष ने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस जनता का समर्थन पाने के लिए भावनात्मक मुद्दों को उछाल रही है, लेकिन इस बार जनता इन बातों में नहीं आने वाली. राज्य में बदलाव की लहर है और लोग अब विकास के मुद्दों पर वोट करना चाहते हैं. भाजपा नेता ने भरोसा जताया कि इस बार पार्टी पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन करेगी और चुनाव में जीत हासिल करेगी.

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/(सामान्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1310-2025-26,दिनांक 22.04.2026; कार्य का विवरण: डीकेएई के प्लेटफॉर्मों पीएफ-1 एवं पीएफ-2 का 600 मीटर तक विस्तार। निविदा मूल्य : रु. 22,87,754; बयाना राशि: रु. 45,800; क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1322-2026-27,दिनांक 22.04.2026; कार्य का विवरण: स्टेशन पैनल के साथ आनुषंगिक मदों का पुनरुद्धार एवं उन्नयन। निविदा मूल्य: रु. 76,06,898; बयाना राशि: रु. 1,52,100; क्रमांक 3, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1325-2026-27,दिनांक 22.04.2026; कार्य का विवरण: चरण-II के अधीन सियालदह मंडल के तहत वाटर कूलरों का प्रावधान। निविदा मूल्य : रु. 1,58,71,860.39; बयाना राशि: रु. 3,17,400; क्रमांक 4, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1290-2025-26-आर, दिनांक 22.04.2026; कार्य का विवरण: सियालदह स्टेशन से यात्रा आरम्भ करने वाली ट्रेनों के लिए 1 वर्ष की अवधि हेतु एसी के संचालन के लिए एसी कोचों में एस्कर्ट ड्यूटी, समस्याओं के समाधान, अभिलेख के अभिरक्षण, एचओजी एवं अन्य कपलिंग को जोड़ने तथा अलग करने, एसी एवं नॉन-एसी कोचों में रेल मदद के तहत सहायता प्रदान करने, मार्ग में जरूरत पड़ने पर रेलवे प्राधिकारियों के साथ संचार एवं ओईडी को मदद प्रदान करने के लिए आउटसोर्स किए गए कुशल एवं उसके अकुशल सहायक। निविदा मूल्य: रु. 11,17,40,890.12; बयाना राशि: रु. 7,08,700; समापन अवधि: 12 महीने (क्रमांक 1 एवं 4 के लिए), 9 महीने (क्रमांक 2 के लिए) तथा 3 महीने (क्रमांक 3 के लिए),। बोली शुरू होने की तारीख: 01.05.2026। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 15.05.2026 को 14.00 बजे। निविदा सूचना का विस्तृत विवरण एवं समय-समय पर जारी संशोधनी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (SDAH-19/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-37-2025-26, दिनांक 21.04.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, सियालदह, कंट्रोल बिल्डिंग, पहली मंजिल, डीआरएम कार्यालय, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सं.: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-37-2025-26, कार्य का नामः सियालदह मंडल के एसएसई/टीआरडी/आरएचए के अधिकार क्षेत्र के अधीन पुल सं. 36ए (अप लाइन), पुल सं. 19वी, पुल सं. 119 (अप लाइन), पुल सं. 113 (अप लाइन), पुल सं. 117 (अप लाइन) एवं पुल सं. 111 (अप लाइन) के पीएससी स्लैब रूपांतरण के प्रावधान के संबंध में प्रभावित ओएचई के सुधार कार्यों के साथ 25 केवी ओएचई की डिजाइन, ड्राइंग, आपूर्ति एवं स्थापना तथा संबंधित विद्युतीय कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्य: रु. 68,56,927.58; बयाना राशि: रु. 1,37,100; निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। समापन अवधि: स्वीकृति पत्र जारी करने की तारीख से 12 महीने। बंद होने की तारीख: 15.05.2026 को 15.00 बजे। निविदा सूचना का विवरण तथा समय-समय पर जारी संशोधनी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (SDAH-18/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

नोआपाड़ा के भाजपा प्रत्याशी अर्जुन सिंह से साक्षात्कार

पब्लिक ने तृणमूल सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है : अर्जुन

बंगाल विधानसभा चुनाव में सभी दलों के प्रत्याशी जीत के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं, अपने वादे दोहरा रहे हैं. ऐसे ही उम्मीदवारों में से हैं नोआपाड़ा से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन सिंह. अर्जुन सिंह एक ऐसा नाम है, जो पूरे बैरकपुर अंचल के लोगों के दिलों में राज करते हैं और श्रमिक तो उन्हें अपना मसीहा मानते हैं. पूरे बंगाल में लोग इन्हें एक मजबूत नेता मानते हैं. युवाशक्ति के अभियान –कौन जीतेगा बंगाल– के तहत युवाशक्ति ने बात की अर्जुन सिंह से. प्रस्तुत है साक्षात्कार का संपादित अंश:–

युवा शक्ति : आपने तो बहुत सारे चुनाव देखे हैं, लड़े हैं, जीते हैं. इस बार का चुनाव कैसा लग रहा है?

अर्जुन सिंह : देखिए, इस बार जनता चुनाव लड़ रही है और जनता वर्तमान सरकार के खिलाफ है. बहुत सारे मुद्दों के चलते पब्लिक ने मन बना लिया है कि इस सरकार को उखाड़ फेंकना है, इनकी गुंडागर्दी खत्म करनी है. वोट लूट को खत्म करना है. लेकिन चुनाव आयोग की तैयारियों के आगे ऐसी ताकतें पस्त होंगी, इसमें कोई शक नहीं. एसआईआर के कारण मृत, लापता, डबल इंट्री, ट्रिपल एंट्री वाले सारे वोटर लिस्ट से हटाये जा चुके हैं. अब लोगों में एक भरोसा जगा है कि हम अपना वोट बिना भय के डाल सकते हैं.

युवा शक्ति : तृणमूल व कुछ अन्य दलों का आरोप है कि इलेक्शन कमीशन भारतीय जनता पार्टी के सपोर्ट में काम कर रही है. इसको किस तरीके से आप देखते हैं आप?

अर्जुन : नहीं, यह आरोप गलत है, चुनाव आयोग ने ठान लिया है कि इस बार गड़बड़ी नहीं करने देंगे. 23 अप्रैल के प्रथम चरण के मतदान के बाद यह साबित हो गया है. हालांकि छिटपुट वारदातें हुई हैं.

युवा शक्ति : इस बार पार्टी ने आपको जगदल के बदले नोआपाड़ा से टिकट दिया है? हिंदी भाषी लोगों की आवाज रहे हैं आप. जूट मिल मजदूरों की लड़ाई लड़ते रहे हैं. नोआपाड़ा में आपको क्या-क्या समस्याएं दिख रही हैं?

अर्जुन : देखिए, यहां की सबसे बड़ी समस्या है तृणमूल के गुंडों का एक्सटॉर्शन. यहां डिफेंस एरिया के लोग बहुतायत हैं. आप अंदाजा नहीं लगा सकते हैं कि वे अगर घर बनाते हैं तो उनसे पैसा मांगा जाता है. इन लोगों ने एक मुलाकात में मुझसे यह बात बतायी थी. सोचिए, जो देश की रक्षा करता है, उसे नोआपाड़ा में तृणमूल के गुंडों को गुडा टैक्स देना पड़ता है. यह देखकर शर्म आती है कि लिए सरकार को हमने 15 साल पहले चुना था, उसके गुर्गे इस तरह का काम भी करेंगे. दूसरा मुद्दा है बेरोजगारी और तीसरा मुद्दा जल निकासी का है. अगर राज्य सरकार केंद्र सरकार से मिलकर काम करती तो इस समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता था. इच्छापुर रायफल फैक्ट्री को अपग्रेड करना होगा. जब मैं एमपी था, तब डिफेंस मिनिस्ट्री से बात की थी. मिनिस्ट्री ने राज्य सरकार से कहा कि इस इलाके को कॉरपोरेशन में मिला लीजिए, पर ऐसा नहीं किया गया.

युव ाशक्ति : रोज आप 18 किलोमीटर की पदयात्रा कर जन संपर्क कर रहे हैं. आपको लोग क्या-क्या समस्याएं बता रहे हैं? यहां शिक्षा और चिकित्सा सेवा की क्या स्थिति है?

अर्जुन : शिक्षा बदहाल है और हॉस्पिटल की सेवाएं भी खस्ताहाल हैं. नोआपाड़ा में एक भी आधुनिक हेल्थ सेंटर नहीं है. हम यहां 50 बेड वाला एक अस्पताल खोलने की कोशिश करूंगा. राज्य में कई सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल हैं, पर वे नील और सादा रंग से रंगे गये भवन भर हैं, सेवाएं पर्याप्त नहीं है.

युवा शक्ति : आपका इलाका जूट मिल बहुल है. यहां जूट उद्योग की क्या सिथति हैं? ज्यादातर मिलें बंद हैं, क्या कहेंगे?

अर्जुन: देखिए, जूट मिलें राज्य सरकार के असहयोग के कारण कई मिलें बंद हैं. मोदी जी ने बार-बार अपनी जनसभाओं में जूट उद्योग को नवजीवन देने की बात कही है. केंद्र सरकार जूट की बोरियां ज्यादा खरीदने की नीति नहीं बनाती तो हालत और खराब होती. राज्य सरकार तो चाहती हैं कि मिलें बंद हों और लाग यहां से चले जायें. उनके भतीजे ऐसी जमीनों को बेचने का धंधा करते हैं. सरकारी जमीनों पर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्स खड़ा करना ही उनका पेशा है. आज हालत यह है कि बिल्डिंग तो लोन लेकर बन गए हैं, लेकिन उनमें रहने वाला कोई नहीं है. सिर्फ श्याम नगर से बैरकपुर के बीच 400 से ज्यादा फ्लैट खाली पड़े हैं, कोई खरीदने वाला नहीं है.

युवा शक्ति : जीतने के बाद इस इलाके में ऐसे पांच कौन-कौन काम करना चाहेंगे?

अर्जुन : यहां एक अस्पताल बनवाने के अलावा पेय जल की पर्याप्त व्यवस्था करने का काम भी करना होगा. इसके अलावा जल निकासी की व्यवस्था करनी है. इच्छापुर गन फैक्ट्री को अपग्रेड करने जैसा काम करना होगा. इसके अलावा यहां गुंडा टैक्स की वसूली भी बंद करवानी होगी.

युवा शक्ति : युवाशक्ति के माध्यम से आज लोगों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

अर्जुन : मैं तो यही अपील करूंगा कि बंगाल में हिंदुओं की आबादी 65% रह गयी है. जो 30-35% लोगों के वोट, मोदी जी कुछ भी कर लें, भाजपा को वोट नहीं देने वाले. लोगों को चुनाव के दिन आराम नहीं करना चाहिए, बल्कि मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए. बॉर्डर इलाकों में बांग्लादेशी लोगों की घुसपैठ रोकना होगा.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :

मो. : 9831572125, 9831494084

www.yuvashakti.news.com

email: yuvashakti@hotmail.com

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शुक्रवार | 24 अप्रैल, 2026

झुलसती जिंदगी

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं. निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है. घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है. सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे. उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी. यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है. तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं. गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है. चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है. मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी. कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है. दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है. फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं. देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं. यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है. गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है. दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें.

गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं. कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है. महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है. तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं. कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े. सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं. ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं. गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं. आशंका जताई जा रही है कि इस सप्ताह दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है. बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रत्याशित गर्मी क्यों बढ़ रही है. दरअसल, अप्रैल माह में प्री–मानसून हीट पीरियड के चलते जमीन पर पड़ने वाली तेज धूप गर्मी का एक कारण है. बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है. वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है. फलत: वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं. वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा करके बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं. निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भी देन है. यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है. आशंका है कि भविष्य में तापमान में तीव्रता और बार–बार हीटवेव चलने की स्थिति बढ़ सकती है. हाल–फिलहाल मानसून से पहले की फुहारों के कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, जिसका मतलब है कि जल्दी बारिश न होने से इस माह के बाकी दिनों में भी हमें गर्मी की तपिश झेलने को मजबूर होना पड़ेगा.

डिजिटल निमंत्रण में नहीं रिश्तों की धड़कन

शमिम शर्मा

पहले कार्ड की स्याही में सुगंध होती थी- हल्दी-रोली की, घर के आंगन की. अब स्क्रीन पर पिक्सेल हैं, चमकीले सजे-संवरे पर बे-नूर. तब बुलावे के साथ एक आग्रह होता था कि आना ज़रूर, जिसमें जरूर शब्द सचमुच जरूरी लगता था.

कभी शादियों के निमंत्रण द्वार पर दस्तक के साथ आते थे. मुस्कान के साथ और दो घूंट चाय के साथ. रिश्ते लिफाफे में नहीं, आंखों की गर्माहट में रखे जाते थे. सगाई, मेहंदी, लेडीज़ संगीत- हर बुलावा अपने साथ एक छोटा-सा उत्सव लेकर आता था. घर के बड़े-बुज़ुर्ग नाम पढ़ते-पढ़ते ठहर जाते, अक्षरों को सहलाते जैसे काग़ज़ नहीं बल्कि अपनेपन को छू रहे हों.

कार्ड से क्लिक तक का सफर- जहां निमंत्रण आधुनिक तो हुआ पर अपनापन कहीं पीछे छूट गया. अब निमंत्रण नहीं आता, एक लिंक आता है. डाउनलोड और दो सेकंड में सीन कर दीजिए. क्या समय आ गया है कि रिश्तों का तापमान अब पीडीएफ में नापा जा रहा है. पहले कार्ड की स्याही में सुगंध होती थी- हल्दी-रोली की, घर के आंगन की. अब स्क्रीन पर पिक्सेल हैं, चमकीले सजे-संवरे पर बे-नूर. तब बुलावे के साथ एक आग्रह होता था कि आना ज़रूर, जिसमें जरूर शब्द सचमुच जरूरी लगता था. अब संदेश में लिखा रहता है- योर प्रेजेंस विल बी एप्रीशियेटिड. हम भी उसी औपचारिकता से जवाब दे देते हैं कि नोटेड, कोशिश करेंगे.

पहले बुलावे में मिठास होती थी, अब बस मैसेज में मिठाई का इमोजी रह गया है. और लोग समझ लेते हैं कि मुंह मीठा हो लिया! सच तो यह है कि हम निमंत्रण नहीं, नोटिफिकेशन पाने लगे हैं. न रिश्ता खुलता है, न बात बढ़ती है. बस एक टिक, दो टिक और फिर चुप्पी.क्यों न कभी-कभी फिर से पुराने ढंग से बुलाएं, दरवाजे पर जाकर दस्तक दें और नाम लेकर कहें कि आपका आना हमारे लिए जरूरी है क्योंकि शादी सिर्फ कार्यक्रम नहीं, रिश्तों का उत्सव है और उत्सव क्लिक से नहीं, कदमों से आते हैं. निमंत्रण काग़ज़ का हो या स्क्रीन का, उसमें अगर दिल नहीं तो वह सिर्फ सूचना है, संबंध नहीं. पहले शादी-ब्याह केवल एक परिवार का कार्यक्रम नहीं होता था, वह पूरे गली-मोहल्ले का उत्सव बन जाता था. बान, हल्दी, भात, रतजगा आदि हर रस्म पर अलग से बुलावा जाता था. यह चाह होती थी कि पड़ोसी-रिश्तेदार सगे-संबंधी सब शामिल हों. यह बदलाव केवल माध्यम का नहीं, मिज़ाज का है. हम सुविधा के इतने आदी हो गए हैं कि संवाद बोझ लगने लगा है. हमने निमंत्रण को इतना डिजिटल कर दिया कि उसमें से दिल ही निकल गया. तब समारोह तारीख भर नहीं रिश्तों की साझी धड़कन हुआ करते.

ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी. उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था. तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं. कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है. ममता बनर्जी लड़ाका है. धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है. लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है. भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं. आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है.

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है. ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था. पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं. लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं. इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है. पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा. इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है. बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है,

पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है. शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा. अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई. इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और ज़मीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा. अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया. इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई. राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज़्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा. बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए. बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है. बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है. इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है. यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है.

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था. हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई. अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई. इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया. उन्होंने उन गढ़ों को और मज़बूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है. इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी. इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाज़ी को भी सुलझाने की कोशिश की. राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं. अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की. ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था. उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली. इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं. इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा. पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है. राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं. हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है. बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी. इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी. बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है.

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है. इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है. यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी. इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा - जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है. बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है. इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया. हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कार्रवाई बताती रही है. यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है. इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है.

ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है. इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है. ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है. इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है. हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है. इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा.

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है. ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है. इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है. हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है. इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा.

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 24 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हादक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 24 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह शुक्र है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप मंगल व शुक्र ग्रह से प्रभावी रहेंगे. आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली होगा. आपका जीवन शान्ति और धैर्य का सूचक है. आप स्वाभिमानी प्रकृति के व्यक्ति हैं. सौन्दर्य-संस्कृति-संगीत प्रेम के प्रति आ का रुझान अधिक रहेगा. आप स्पष्टवादी प्रवृत्ति के होंगे यह स्पष्टवादिता कभी भी घातक सिद्ध हो सकती है. आप कुछ स्वार्थी भी होंगे. आपकी स्मरण शक्ति श्रेष्ठ होगी. आप किसी भी विषय पर विचार करें लेकिन आप अपना विचार कब बदल देंगे. कोई निश्चित नहीं रहेगा. आकस्मिता आपके जीवन की प्रधान विशेषता होगी. आप किसी की चापलूसी या झूठी प्रशंसा नहीं करेंगे. शृंगार एवं सौन्दर्य प्रसाधन वस्तुओं के निमित्त आप अधिक व्यय करेंगे. आप जनसम्पर्क का लाभ प्राप्त करने में सक्षम होंगे. आपका गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा. परोपकार की भावना आप में अधिक रहेगी. जीवन में अनुकूलता हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की अर्चना करें. जीवन में आसमानी एवं सफेद रंग की वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें तथा इन्हीं रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का दान भी करें. तन-मन-वचन से पवित्र रहें. शुक्रवार का व्रत करें. सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

मन्त्र	:	ॐ शुं शुक्राय नम:	मास	:	फरवरी, अप्रैल एवं नवम्बर
व्रत	:	शुक्रवार	वर्ष	:	6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	हल्का नीला एवं सफेद
दिनांक	:	6, 15, 24	जन्मरत्न	:	हीरा
अंक	:	4, 5, 8		:	सफेद पुखराज

यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

वर्ष का महत्वपूर्ण समय–20 अप्रैल से 21 मई, 23 सितम्बर से 20 अक्टूबर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेषः दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता, दूसरों के कटुवचन से तकलीफ, दाम्पत्य जीवन में व्यवधान, घरेलू वातावरण तनावपूर्ण, सुख-सुविधा का अभाव, वाहन से भय.

वृषभ : अभिलाषा की पूर्ण होने की ओर, प्रियजनों से विचार-विमर्श, व्यापारिक क्षेत्र में प्रगति, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, उपहार या सम्मान का लाभ, शुभकृत्य सम्पन्न.

मिथुन : विविध पक्षों में अनुकूलता, शुभ-भावनाओं से आत्मिक शांति, उत्साह में वृद्धि, धनागम का मार्ग प्रशस्त, विशेष प्रयास सार्थक, नौकरी में प्रोन्नति, प्रेम सम्बन्ध मधुर.

कर्क : परिस्थितियां भाग्य के पक्ष में, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, अध्यात्म के प्रति आस्था, सहयोगियों से अपेक्षित सहयोग, व्यक्तित्व का विकास, वाहन से खुशी.

सिंह : दिनचर्या अव्यवस्थित, आपसी वैमनस्यता, संकल्प सिद्धि में व्यतिक्रम, नव समस्याएं उत्पन्न, भाग्य में न्यूनता, असमंजस की स्थिति, मित्रों से तनाव, यात्रा निष्फल.

कन्याः पुरुषार्थ से कार्य सिद्धि, शिक्षा एवं प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता, कार्य-व्यवसाय में उन्नति, लाभ का सुयोग, अध्ययन में रुचि, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ.

तुलाः स्वास्थ्य सुधार पर, आत्मबल में वृद्धि, किसी के माध्यम से महत्वपूर्ण सफलता, पारिवारिक सौहार्द, यात्रा का प्रसंग, सुसमाचार की प्राप्ति, धर्म के प्रति आस्था.

वृश्चिक : योजना साकार होने की ओर, व्यक्तिगत समस्याएं सुलझने की ओर, नवीन उपलब्धि, व्यापार क्षेत्र में नव परिवर्तन, परोपकार की भावना जागृत, यात्रा सुख.

धनु : कठिनाइयों से मन उदास, पारिवारिक समस्याओं से चिन्तित, आकांक्षित सिद्धि में व्यतिक्रम, इच्छित कार्यों में व्यवधान, आशा अधूरी, एकाग्रता का अभाव.

मकर : व्यावसायिक क्षेत्र में नवपरिवर्तन, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, अध्यावसाय की ओर रुझान, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, प्रतिष्ठा में वृद्धि.

कुम्भः इच्छित कार्यों में सफलता, व्यापार में विस्तार की योजना फलीभूत, लाभ का मार्ग प्रशस्त, दूर-समीप की यात्रा, सुसमाचार की प्राप्ति, परिवार में मंगल आयोजन सम्पन्न.

मीनः शुभ भावनाओं से आत्मिक शांति, धामक-क्रियाकलापों में रुचि, स्वविवेक सं लिया गया निर्णय हितकर, उच्चाधिकारियों से सम्पर्क का लाभ, समस्याएं हल.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

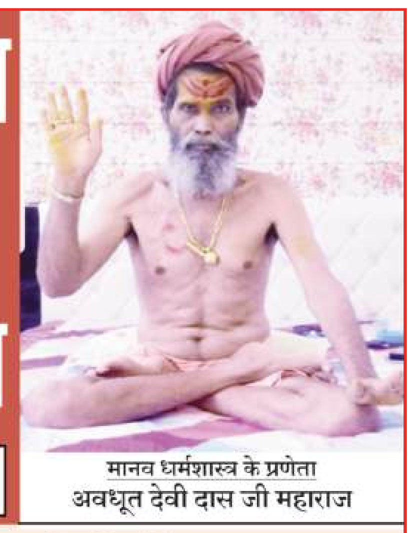

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

बीमा से क्यों दूर है आम भारतीय

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है. ऊंची विकास दर, डिजिटल क्रांति, बढ़ती आय और वैश्विक मंच पर मजबूत होती स्थिति- ये सब संकेत देते हैं कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है. लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सच्चाई ऐसी भी है, जो अक्सर नजरों से ओझल रह जाती है- भारत का आम नागरिक अब भी आर्थिक सुरक्षा के सबसे बुनियादी साधन यानी बीमा से दूर है. विडंबना यह है कि जिस देश में अनिश्चितताओं की भरमार है- बीमारी, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाएं, रोजगार की अस्थिरता- वहीं बीमा को अब भी अतिरिक्त खर्च समझा जाता है, न कि जरूरी सुरक्षा कवच.

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में बीमा कवरेज की स्थिति संतोषजनक नहीं है. बीमा घनत्व और पैठ दोनों वैश्विक औसत से नीचे हैं. ग्रामीण भारत, जो देश की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वहां बीमा की पहुंच बेहद सीमित है. जीवन बीमा के कुछ प्रसार के बावजूद स्वास्थ्य, फसल और संपत्ति बीमा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है. सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि विकास की रफ्तार के साथ बीमा का दायरा नहीं बढ़ पा रहा?

इसका पहला और सबसे बड़ा कारण है- जागरूकता की कमी. देश के बड़े हिस्से को आज भी यह समझ नहीं है कि बीमा आखिर है क्या और यह उनके जीवन में किस तरह सुरक्षा प्रदान कर सकता है. गांवों में तो बीमा को अक्सर ठगी या धोखे के रूप में देखा जाता है. एजेंटों द्वारा गलत जानकारी देना, पॉलिसी की शर्तों को स्पष्ट न करना और क्लेम के समय होने वाली परेशानियां लोगों के मन में अविश्वास पैदा करती हैं. परिणामस्वरूप, लोग बीमा से दूरी बनाए रखना बेहतर समझते हैं.

दूसरा बड़ा कारण है, आर्थिक प्राथमिकताएं. जब किसी परिवार की आय सीमित हो और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही चुनौती हो, तब बीमा जैसी चीज उनके लिए प्राथमिकता में नहीं आती. आम भारतीय के लिए पहले भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की जरूरतें हैं; बीमा उसके बाद आता है. यह सोच गलत नहीं है लेकिन यह भी सच है कि एक छोटी-सी दुर्घटना या बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को हिला सकती है और यही वह जगह है जहां बीमा की जरूरत सबसे ज्यादा होती है.

तीसरा कारण है, बीमा उत्पादों की जटिलता. बीमा कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पाद आम लोगों की समझ से परे होते हैं. लंबी-चौड़ी शर्तें, तकनीकी भाषा और अस्पष्ट लाभ- ये सब मिलकर बीमा को एक कठिन और उलझा हुआ उत्पाद बना देते हैं. एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि कौन-सी पॉलिसी उसके लिए सही है. इस जटिलता का फायदा कई बार एजेंट उठाते हैं और ग्राहक को ऐसी पॉलिसी बेच दी जाती है, जो उसकी जरूरतों के अनुकूल नहीं होती.इसके साथ ही, दावा निपटान की प्रक्रिया भी बीमा से आमजनों की दूरी का एक बड़ा कारण है. अक्सर सुनने को मिलता है कि क्लेम के समय कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं या प्रक्रिया को इतना लंबा कर देती हैं कि ग्राहक थक हार कर पीछे हट जाता है. इस तरह के अनुभव समाज में तेजी से फैलते हैं और लोगों के मन में धारणा बन जाती है कि बीमा केवल पैसे वसूलने का माध्यम है, न कि संकट के समय सहायता का.वितरण प्रणाली की कमजोरी भी अहम कारण है. बीमा अब भी बड़े पैमाने पर एजेंट आधारित मॉडल पर निर्भर है, जिसकी पहुंच सीमित है. ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एजेंटों की कमी है और जहां हैं भी, वहां उनकी प्राथमिकता कमीशन कमाना होता है, न कि ग्राहक को सही सलाह देना. डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण इसका लाभ हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा.इन सबके बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं. भारतीय समाज में अक्सर भविष्य की अनिश्चितताओं को भगवान की मर्जी मान लिया जाता है. जोखिम प्रबंधन की सोच अभी भी व्यापक नहीं हो पाई है. लोग यह मानते हैं कि बुरा वक्त आएगा तो किसी न किसी तरह संभाल लिया जाएगा- पर यह सोच कई बार भारी पड़ जाती है.

हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने बीमा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब और निम्न आय वर्ग को बीमा के दायरे में लाने की कोशिश की है. इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि बीमा सस्ता, सरल और सुलभ हो तो लोग इसे अपनाने के लिए तैयार हैं. लेकिन इन योजनाओं का दायरा अभी भी सीमित है और व्यापक स्तर पर बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है.हाल ही में पारित 'बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025' इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. विशेष रूप से प्रबंध महाधिवक्ता (एमजीए) की अवधारणा बीमा क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है. एमजीए स्थानीय स्तर पर काम करते हुए बीमा उत्पादों को अधिक प्रासंगिक और सुलभ बना सकते हैं. इससे वितरण प्रणाली मजबूत होगी, उत्पादों में नवाचार आएगा और दावा निपटान की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बन सकती है. यदि इसे सही ढंग से लागू किया गया तो यह बीमा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला सकता है. केवल नीतिगत सुधार पर्याप्त नहीं हैं. असली चुनौती इन सुधारों को जमीन पर उतारने की है. इसके लिए सबसे पहले बीमा को उत्पाद नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में स्थापित करना होगा. जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य को मौलिक जरूरत माना जाता है, वैसे ही बीमा को भी सामाजिक सुरक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में स्वीकार करना होगा.

जागरूकता अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. स्कूलों और कॉलेजों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, मीडिया के माध्यम से सरल भाषा में बीमा की जानकारी देना और स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना जरूरी है. इसके साथ ही, बीमा उत्पादों को सरल और पारदर्शी बनाना होगा, ताकि आम व्यक्ति बिना किसी भ्रम के सही निर्णय ले सके.

नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है. उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि बीमा कंपनियां ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता दें, दावा निपटान की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाएं और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई करें. डिजिटल तकनीक का उपयोग इस दिशा में सहायक हो सकता है, लेकिन इसके साथ डेटा सुरक्षा और गोपनीयता का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है.अंततः, यह समझना होगा कि बीमा केवल एक वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुरक्षा तंत्र है. यह उस भरोसे का नाम है, जो व्यक्ति को अनिश्चितताओं के बीच भी स्थिर रहने की शक्ति देता है. जब तक यह भरोसा मजबूत नहीं होगा, तब तक बीमा का दायरा सीमित ही रहेगा.

भारत के लिए सबका बीमा, सबकी रक्षा केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है. अगर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो हर नागरिक को आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होगा. यह तभी संभव है, जब बीमा को आम भारतीय के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए. वरना विकास की यह दौड़ अधूरी रह जाएगी, जहां चमक तो होगी लेकिन सुरक्षा का साया नहीं.

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं.)

हैवान बना बेटा: मां को पत्थर से कूचकर उतारा मौत के घाट

पाकुड़ नगर थाना में प्रेस वार्ता कर एसडीपीओ डी. एन. आजाद ने किया खुलासा

पाकुड़: नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनाजोडी (सोसो टोला) में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपनी ही मां की पत्थर से कूचकर हत्या कर दी. मामले का खुलासा नगर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया गया, जहां पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीपीओ) डी. एन. आजाद ने पूरी जानकारी दी. एसडीपीओ ने बताया कि आरोपी चरण हेम्ब्रम ने अपनी मां धुनी हेम्ब्रम (उम्र 52 वर्ष) की बेरहमी से हत्या कर दी. घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपी चरण हेम्ब्रम उर्फ गांजा (पिता स्व0 पाण्डा हेम्ब्रम) को उसके घर सोनाजोडी, सोसो टोला से गिरफ्तार किया. साथ ही उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना बड़ा पत्थर एवं अन्य छोटे पत्थर भी बरामद किए गए हैं.

इस संबंध में चान्द हेम्ब्रम के आवेदन के आधार पर पाकुड़ नगर थाना कांड संख्या 85/2026 दर्ज किया गया है. आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इछड) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है. छापामारी टीम में थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, अभिषेक कुमार, सुबल कुमार डे सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

न्यूज कॉर्नर

प्रगतिशील’ पाकुड़ की तस्वीर धुंधली, बिजली और पेयजल संकट में उलझी जनता

पाकुड़: प्रगतिशील का तमगा लिए पाकुड़ जिला जमीनी हकीकत में बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है. शहर की सड़कों पर गड्ढों का जाल, बिजली की अनियमित आपूर्ति, पेयजल संकट और स्वास्थ्य-शिक्षा की कमजोर व्यवस्था ने विकास के दावों की पोल खोल दी है.हाल ही में पदस्थापित नई उपायुक्त मेघा भारद्वाज और पुलिस अधीक्षक के सामने सबसे पहली चुनौती शहर की जर्जर सड़कों और बिजली संकट के रूप में उभरकर सामने आई है. आने वाले दिनों में जल संकट और शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर भी प्रशासन के लिए बड़ी परीक्षा बनने वाली है. कुछ दिन पहले मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जिले के दौरे के दौरान सड़कों की स्थिति पर नाराजगी जताई थी और अधिकारियों को जिम्मेदारी का एहसास कराया था. इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं, जिससे आम लोगों में नाराजगी बढ़ रही है.जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड में पेयजल संकट विकराल रूप ले चुका है. यहां लोगों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है. नहाने के लिए गंदे नालों का सहारा लेना मजबूरी बन गया है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है. गौरतलब है कि पूर्व में 217 करोड़ रुपये की जलापूर्ति योजना स्वीकृत हुई थी, लेकिन पाइप चोरी और प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह योजना अधूरी रह गई. इससे ग्रामीणों की उम्मीदें भी टूटती नजर आ रही हैं.

अमर सेनानी बाबू कुंवर सिंह के 168 वा जयंती के अवसर पर सिविल सर्जन नें दी श्रद्धांजलि

साहिबगंज : गुरुवार को पोखरिया टाउन हॉल परिसर स्थित में सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान ने प्रथम भारतीय स्वतंत्रता सेनानी संग्राम के अमर सेनानी बाबू कुंवर सिंह के 168 वा जयंती में सिविल सर्जन ने फुल का माला पहनाकर उनके चरण स्पर्श करके उन्हें श्रद्धांजलि दी.कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे वीर सेनानी थे, जिन्होंने 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी. लगभग 80 वर्ष की आयु में भी उन्होंने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए ब्रिटिश हुकूमत को कड़ी चुनौती दी. उनका जीवन आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है.

1011 कन्याओं ने उठाई कलश, श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

तालझारी : प्रखंड क्षेत्र के मसकलैया में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के उपलक्ष्य में गुरुवार को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई. कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मसकलैया शिव मंदिर के संचालक नरेश मंडल ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर किया.गाजे-बाजे के साथ निकली इस यात्रा में 1011 कुंवारी कन्याओं और महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर हिस्सा लिया.कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर सुक्सेना गंगा घाट पहुँची, जहाँ से जल भरकर फतेहपुर और बाला पोखर होते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पर संपन्न हुई. सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य दिवाकर कृष्ण शास्त्री जी महाराज द्वारा प्रतिदिन संध्या 7 बजे से अमृतमयी कथा सुनाई जाएगी.इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में अध्यक्ष पीतांबर मंडल, उपाध्यक्ष बिरला मंडल, कोषाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी मिथुन मंडल, सचिव ऋषिदेव मंडल और संयोजक पिंकू स्वर्णकार सहित हजारों ग्रामीण सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं.

बाइक से गिरकर दो भाई गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : गुरुवार को राजमहल प्रखंड में सिरसी-मंडई मुख्य मार्ग पर बाइक से गिरकर दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार सिरसी के धर्मेंद्र कुमार उम्र 22 व छोटा भाई रतन देव कुमार उम्र 20 बाइक से किसी काम से राजमहल आ रहा था, तभी अचानक अनियंत्रित होकर बाइक से दोनों सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया. परिजनों व आसपास के लोगों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया. ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर कुमार सौरभ ने दोनों का इलाज किया. घटना की सूचना थाना पुलिस को दे दी गई थी.

मारपीट की घटना में तीन लोग घायल

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र के हरे राम टोला के सोम बाड़ी हाटपाड़ा में बुधवार व गुरुवार को हुई मारपीट की घटना में तीन लोग घायल हो गये. जानकारी के मुताबिक संजय मंडल उम्र 41 व जानकी मंडल उम्र 27 का पड़ोसी आधीन मंडल उम्र 50 के साथ आपसी विवाद में कहासुनी होते-होते बात मारपीट तक जा पहुंची. इस घटना में तीन लोग घायल हो गये. तीनों घायलों को उसके परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल लाया. वहां डॉक्टर कुमार सौरभ ने तीनों घायलों का इलाज किया. घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी.

लोकल ट्रेन में चुनाव प्रचार : श्रीरामपुर से भाजपा उम्मीदवार का अनोखा अभियान

हुगली : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के तहत चुनावी सरगर्मी के बीच श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार भास्कर भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह अलग अंदाज में प्रचार अभियान चलाया.भास्कर भट्टाचार्य सुबह श्रीरामपुर रेलवे स्टेशन से श्रीरामपुर-हावड़ा लोकल ट्रेन में सवार हुए और यात्रा के दौरान आम यात्रियों के बीच पहुंचकर सीधे संवाद किया. ट्रेन में सफर कर रहे नित्य यात्रियों से उन्होंने बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की.प्रचार के दौरान श्रीरामपुर से रिषड़ा स्टेशन तक ट्रेन के डिब्बे में उन्होंने लोगों से संपर्क साधा. इस दौरान यात्रियों के बीच उत्साह देखने को मिला और कई लोगों ने उनके अभियान का समर्थन भी जताया.भाजपा उम्मीदवार का यह जमीनी स्तर पर जुड़ने का प्रयास चुनाव प्रचार के पारंपरिक तरीकों से अलग माना जा रहा है, जहां उन्होंने आम लोगों के बीच जाकर सीधे संवाद को प्राथमिकता दी.

केशपुर में वोट देकर लौटते समय महिला की मौत, पोटाशपुर में मतदाता की गई जान

मेदिनीपुर: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान गुरुवार को दो अलग-अलग जगहों से मतदाताओं की मौत की खबर सामने आई है.पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशपुर विधानसभा क्षेत्र के दीघा बूथ पर वोट देने आई एक महिला मतदाता की मतदान के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई. मृतका की पहचान इसरातन बीबी (50) के रूप में हुई है, जो केशपुर के सीमागेरिया इलाके की रहने वाली थीं.मिली जानकारी के मुताबिक, वह सुबह मतदान करने बूथ पहुंची थीं. वोट देकर बाहर निकलने के कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई. परिवार में उनके पति शेख नवाबजान अली, दो बेटे और दो बेटियां हैं. घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके की तृणमूल उम्मीदवार शिउली साहा मृतका के घर पहुंचीं और परिवार को सांत्वना दी.वहीं, पूर्व मेदिनीपुर जिले के पोटाशपुर में भी मतदान के दौरान एक मतदाता की मौत हो गई. बामनबाड़ जूनियर हाई स्कूल के 234 नंबर बूथ पर वोट देने आए नृपेंद्रनाथ दास (58) की कथित तौर पर गर्मी और तबीयत खराब होने के कारण मौत हो गई.

सुसंस्कार शिक्षा निकेतन : मेंवीर कुंवर सिंह विजयोत्सव मनाया गया

तेघड़ा/ बेगूसराय (युवा शक्ति) : तेघड़ा प्रखंड के सुसंस्कार शिक्षा निकेतन में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही, अन्याय विरोधी स्वतंत्रता प्रेमी वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव मनाया गया. इसमें विद्यालय के बच्चे एवं शिक्षक उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किये. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंजेश कुमार ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह का जीवन हमें हमेशा देश सेवा के लिये प्रेरित करता रहेगा.

विद्यालय के निदेशक डा. रणधीर कुमार ने कहा कि मेरे युवा साथियों वीर कुंवर सिंह सिर्फ इतिहास के पन्नों में नहीं आपके रक्त में होना चाहिये आज की युवा पीढ़ी को उनसे यह सीखने की जरूरत है कि देश और समाज के लिये समर्पण की भावना होनी चाहिए एवं उन्होंने कहा कि संगठनात्मक क्षमता जो उन्होंने छोटी सी सेना के साथ अंग्रेजों को हराया. विद्यालय की सचिव सोनी कुमारी ने कहा कि आज हम सब मिलकर इस विजय दिवस पर यह प्रतिज्ञा करें कि हम बाबू वीर कुंवर सिंह के आदर्शों का पालन करेंगे और भारत को एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने में अपना योगदान देंगे. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक मंजेश कुमार, सर्वज्ञ सिंह, आदर्श कुमार, सुमित कुमार, रामकुमार मिश्र, रोहन कुमार, अभिषेक कुमार, प्रमिला कुमारी, सोनी कुमारी, चंदा कुमारी, अर्चना कुमारी उपस्थित थे.

पश्चिम मेदिनीपुर में छापेमारी, 55 लाख से ज्यादा की शराब जब्त

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले में आबकारी विभाग ने बुधवार देर रात तक विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान बड़ी मात्रा में अवैध शराब और संबंधित सामग्री जब्त की गई, जिसकी कुल कीमत लगभग 55 लाख 72 हजार 750 रुपये आंकी गई है.आबकारी विभाग की टीम ने सालबनी, गड़वेता, मेदिनीपुर सदर, खड़गपुर टाउन, सबंग, चंद्रकोणा, खड़गपुर लोकल, बेलदा, दांतन, गोआलतोड़े, नारायणगढ़, डेबरा और घाटाल सर्किल क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई की.अभियान के दौरान कुल 181 स्थानों पर छापेमारी की गई. इसमें 20 हजार 060 लीटर फर्मेंटेड वॉश, एक हजार 710 लीटर देशी शराब, 55 पीस अल्कोहल हैंडलिंग सामग्री, 225 लीटर सीएस/आईएमएल,

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस

साहिबगंज : शहर के बाटा रोड स्थित आवासीय कार्यालय में गुरुवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री मिस्फीका हसन ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला बोला. उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं को राजनीति में आरक्षण देने के लिए प्रधानमंत्री ने केंद्रीय कैबिनेट में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को मंजूरी दी थी. पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इस अधिनियम को कानूनी रूप देने के लिए इस पर चर्चा और वोटिंग के लिए लोकसभा में विशेष सत्र बुलाया था. लेकिन अफसोस की बात है कि कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियों ने इस बिल को समर्थन नहीं दिया.

रहमतनगर में अग्निमित्रा पाल के वाहन पर हमला, हीरापुर थाने में दर्ज कराई शिकायत

आसनसोल : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के मतदान के बीच आसनसोल दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में तनाव की खबर सामने आई है. आसनसोल दक्षिण के रहमतनगर इलाके के 135 नंबर बूथ के पास झड़प होने की सूचना मिली है. मतदान के दौरान इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया.इसी बीच भाजपा की आसनसोल दक्षिण विधानसभा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल के काफिले पर हमले की खबर सामने आई है.गौरतलब है कि अग्निमित्रा पाल अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का दौरा कर रही थीं. जब वह रहमतनगर इलाके के 135 नंबर बूथ की ओर जा रही थीं, तभी अज्ञात लोगों ने उनके वाहन पर पत्थर फेंका, जिससे गाड़ी का पिछला शीशा टूट गया. हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है. पत्थर वाहन में बैठे किसी व्यक्ति को नहीं लगा और अग्निमित्रा पाल पूरी तरह सुरक्षित हैं.घटना के बाद उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए इसे गणतंत्र की हत्या करार दिया. भाजपा उम्मीदवार ने हमले की शिकायत हीरापुर पुलिस थाना में दर्ज कराई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.मतदान के बीच इस तरह की घटना ने क्षेत्र में राजनीतिक तनाव बढ़ा दिया है. हालांकि प्रशासन की ओर से फिलहाल स्थिति नियंत्रित बताई जा रही है.

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष ने भामाशाह की जयंती समारोह में भाग लेकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

युवा शक्ति न्यूज

गया : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को गया जी टाउन अंतर्गत टिकारी रोड स्थित तैलिक साहू सभा भवन में आयोजित महान देशभक्त एवं दानवीर भामाशाह की जयंती समारोह में भाग लेकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया.इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भामाशाह जी का त्याग, राष्ट्रभक्ति एवं समाजसेवा का आदर्श हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा.उन्होंने कहा कि भामाशाह जी केवल एक महान दानी ही नहीं, बल्कि त्याग, परोपकार और राष्ट्र के प्रति समर्पण की जीवंत मिसाल थे.उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जब मेवाड़ के वीर योद्धा महाराणा प्रताप कठिन परिस्थितियों में संघर्ष कर रहे थे, उस समय भामाशाह जी ने अपनी समस्त संपत्ति राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित कर दी. उनका यह योगदान राष्ट्रभक्ति की सर्वोच्च भावना का प्रतीक है, जो आज भी हमें प्रेरित करता है.डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में भामाशाह जी के आदर्श और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं.उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवा भाव के साथ करें, जिससे राष्ट्र के समग्र विकास को गति मिल सके.उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे भामाशाह जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपनी ऊर्जा, ज्ञान एवं संसाधनों का उपयोग समाज के उत्थान एवं राष्ट्र निर्माण में करें. यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी.कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने भामाशाह के आदर्शों पर चलने एवं समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया.इस अवसर पर रणविजय साहू (प्रदेश अध्यक्ष, बिहार तेलिक साहू सभा सह विधायक, मोरवा), अजय साव (जिला अध्यक्ष, गया जी तैलिक साहू सभा), छोटन साहू (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य), अरुण साव, शिशिर साव (प्रदेश कार्य समिति सदस्य, भाजपा), प्रीति साहू, पुष्पा गुप्ता, किरण साव, गोपाल साव (जिला अध्यक्ष, तैलिक साहू सभा, गयाजी), कृष्ण कुमार साहू (जिला अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा, गया जी पूर्वी), सोनू साहू, राजेश कुमार साहू, ओम प्रकाश गुप्ता (नगर मंडल अध्यक्ष, बोधगया भाजपा), सरवन कुमार (जिला उपाध्यक्ष, तैलिक साहू सभा), मनजीत आनंद, गुड़िया देवी (प्रखंड प्रमुख, बोधगया), सुदेश साहू, अनीता देवी (प्रखंड प्रमुख, फतेहपुर), रवि साव (अध्यक्ष, नगर पंचायत फतेहपुर), वीरेंद्र साहू (मुखिया, खड़ीह पंचायत), उमेश साहू एवं बादल साव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

पुल निर्माण स्थल को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन, आमतला टोला में बनाने की मांग

पाकुड़: ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल द्वारा पाकुड़ सदर प्रखंड के नसीपुर मौजा में स्वीकृत पुल निर्माण के स्थल चयन को लेकर विवाद गहरा गया है. सीतापहाड़ी गांव के आमतला टोला में सैकड़ों ग्रामीणों ने निर्माण स्थल के विरोध में प्रदर्शन किया. ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि जिस स्थान (कैसर माठ) पर पुल का चयन किया गया है, वहां इसकी उपयोगिता कम है, जबकि आमतला टोला में इसकी सख्त जरूरत है.मिली जानकारी के अनुसार, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल विभाग की ओर से लगभग 24,53,000 की लागत से पुल निर्माण का टेंडर ठेकेदार हबीबुर रहमान को आवंटित किया गया है. विभागीय चयन के अनुसार पुल का निर्माण गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक नाले पर होना था. हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि प्रस्तावित स्थल के दोनों ओर सीतापहाडी गांव के ही स्वर्गीय सदाकास लेख की रैपती जमीन है. उनकी विधवा पत्नी जन्नतुन वैवा ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, मेरे पति के गुजरने के बाद मैं आठ बच्चों के साथ गरीबी में जीवन बसर कर रही हूं. नाले के दोनों तरफ मेरी दो बीघा जमीन है. मैं अपनी कीमती जमीन पर किसी भी कीमत पर पुल बनने नहीं दूंगी.

हेल्थ चेकअप कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरौनी/बेगूसराय (युवा शक्ति) : पूर्व मध्य रेलवे के उप मंडलीय चिकित्सालय गढ़हरा के द्वारा ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे भारत स्काउट एण्ड गाईड जिला संघ गढ़हरा के सैकड़ों कब,बुल बुल,स्काउट एण्ड गाईड के बच्चों का फ्री हेल्थ चेक अप कार्यक्रम का आयोजन चिकित्सा अधीक्षक डा. सचिन कुमार वर्मा के नेतृत्व में किया गया. बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु समय- समय पर हेल्थ चेक होना आवश्यक है. उक्त बातें मुख्य अतिथि सह जिला आयुक्त स्काउट डा. कमल कुमार भगत ने बच्चों के हेल्थ चेकअप करते हुये कहा. उन्होंने ने कहा कि इस कार्यक्रम में बच्चों का हाइट, वेट एवं शारीरिक विकास से संबंधित जांच की गई है. टीचर एवं अभिभावकों से बच्चों को भरण पोषण में क्या क्या आवश्यकता है. इस संबंध में सभी को जानकारी दी गई. मौके पर जिला स्काउट सचिव जीवानंद मिश्रा, डीओसी मनीष कुमार,डीटीसी विपिन कुमार पांडे,उदय शंकर,शशिकांत,मो. महताब,शत्रुघ्न प्रसाद,निक्की कुमारी,चंदन कुमार,सुलेखा कुमारी, मेट्रन अनिता कुमारी एवं सहायक श्रवण कुमार उपस्थित थे.

गोलमुरी में बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर बड़ी कार्रवाई

जमशेदपुर : गुरुवार को इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) और ट्रेडमार्क उल्लंघन के खिलाफ एक बड़ी प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट के कड़े रुख के बाद शहर के गोलमुरी थाना क्षेत्र में छापेमारी कर लाखों रुपये मूल्य के नकली सौंदर्य प्रसाधन और टूथपेस्ट जब्त किए गए. यूनिलीवर ग्लोबल द्वारा दर्ज कराए गए मामले के आधार पर यह पूरी कार्रवाई की गई. कंपनी को लगातार सूचना मिल रही थी कि उनके ब्रांड्स के नाम पर बाजार में नकली माल खपाया जा रहा है. कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि दीप्तोनील हज़ारा ने स्थानीय गोलमुरी थाना पुलिस के सहयोग से चिन्हित ठिकानों पर छापेमारी की. छापेमारी के दौरान पुलिस और कंपनी के प्रतिनिधियों को बड़ी मात्रा में ऐसे उत्पाद मिले, जिन पर कंपनी के रजिस्टर्ड ब्रांड क्लोजअप और पेप्सोडेंट के लेबल और ट्रेडमार्क का अवैध रूप से उपयोग किया जा रहा था. बरामद किए गए सामान की बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है. मामले में स्थानीय निवासी अशोक कुमार को मुख्य आरोपी बनाया गया है. हाई कोर्ट का नोटिस और कानूनी प्रक्रिया यह कार्रवाई सीधे तौर पर वाणिज्यिक प्च् मुकदमा संख्या 36566, 2025 के तहत की गई है. कार्रवाई से पहले संबंधित परिसर पर बॉम्बे हाई कोर्ट का आधिकारिक नोटिस भी चस्पा किया गया था, जिसमें आरोपी को अदालत में पेश होने और संबंधित दस्तावेज प्राप्त करने का निर्देश दिया गया था. गोलमुरी थाना पुलिस की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब्त माल को कब्जे में ले लिया गया है और मामले की सघन जांच जारी है. विशेषज्ञों का मानना है कि सीधे हाई कोर्ट के आदेश पर होने वाली ऐसी कार्रवाइयां इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि अब कंपनियां अपने ब्रांड और ग्राहकों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करेंगी और फर्जी उत्पादों के खिलाफ अभियान और तेज होगा.

निवर्तमान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक का विदाई सह स्वागत समारोह आयोजित

पाकुड़: रविन्द्र भवन टाउन हॉल, में निवर्तमान उपायुक्त मनीष कुमार एवं निवर्तमान पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी के सम्मान में विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में प्रशासनिक, न्यायिक एवं पुलिस पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही.

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने अपने संबोधन में निवर्तमान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में जिले में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ रही तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण देखने को मिला. उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए जिले में शांति एवं भयमुक्त वातावरण बनाए रखने का प्रयास करेंगे.

फैमिली जज ने कहा कि अपने न्यायिक सेवा काल में यह पहला अवसर है जब वे किसी उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के विदाई समारोह में शामिल हुए हैं. उन्होंने दोनों पदाधिकारियों के व्यक्तित्व, कार्यशैली एवं संवेदनशील नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इनके साथ कार्य करना एक विशेष अनुभव रहा.

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि अल्प अवधि में ही उन्होंने जिले में प्रशासनिक, पुलिस एवं न्यायिक पदाधिकारियों के बीच उत्कृष्ट समन्वय देखा, जो उनके लंबे सेवा अनुभव में दुर्लभ रहा है.

उन्होंने दोनों पदाधिकारियों के कार्यों एवं मानवीय मूल्यों की सराहना की.

निवर्तमान पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि पाकुड़ उनके लिए एक यादगार पड़ाव रहा है. उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्टाफ का आभार व्यक्त किया.

उन्होंने कहा कि एक मजबूत एवं तकनीकी रूप से सक्षम टीम तैयार की गई है, जो भविष्य में भी बेहतर कार्य करेगी.

कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा निवर्तमान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को भावभीनी विदाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई

सीएसके ने म्हात्रे की जगह आकाश मधवाल को टीम में शामिल किया

चेन्नई : आयुष म्हात्रे के चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बचे हुए सत्र से बाहर होने के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने बृहस्पतिवार को उनकी जगह आकाश मधवाल को टीम में शामिल किया. भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान म्हात्रे ने सीएसके के लिए इस सत्र में शानदार शुरुआत की थी, उन्होंने छह मैच में दो अर्धशतक बनाए लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी. मधवाल 30 लाख रुपये में सीएसके से जुड़े हैं. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मधवाल इससे पहले मुंबई इंडियंस (2023, 2024) और राजस्थान रॉयल्स (2025) का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. इस सत्र की शुरुआत में सीएसके के ट्रायल्स में शामिल हुए उत्तराखंड के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 17 आईपीएल मैच खेले हैं और 23 विकेट लिए हैं. बत्तीस वर्षीय इस खिलाड़ी के नाम पांच विकेट लेने का कारनामा भी दर्ज है. उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए अपने पहले ही सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में पांच रन देकर पांच विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था.

बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे आरसीबी और गुजरात टाइटंस

बेंगलुरु: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होंगी तो उनका लक्ष्य बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा. चिन्नास्वामी की थोड़ी चिपचिपी पिच पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आरसीबी के बल्लेबाज नहीं चल पाए थे जिससे उसकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था. आरसीबी की यह इस सत्र में दूसरी हार थी जिससे उसने शीर्ष चार में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका गंवा दिया था. वह अब अंक तालिका में आठ अंक के साथ तीसरे स्थान पर है. उसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद (8 अंक), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस (प्रत्येक 6 अंक) का नंबर आता है.

मौजूदा चैंपियन आरसीबी को यह बात अच्छी तरह से पता होगी कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन से उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि उसे अब अपने अधिकतर मैच विरोधी टीम के मैदान पर खेलने हैं. यही नहीं वह अब अपने दो घरेलू मैच भी रायपुर में खेलेगा. आरसीबी अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत हासिल करके अपने प्रशंसकों को शानदार विदाई देना चाहेगा लेकिन इसके लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बड़ा स्कोर बनाने का तरीका ढूंढना होगा.

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फिल साल्ट को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था. कप्तान रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे छक्के जड़ने में माहिर बल्लेबाजों को भी रन बनाने के वैकल्पिक तरीके खोजने पड़े, हालांकि उन्हें इसमें बहुत अधिक सफलता नहीं मिली. इसलिए आरसीबी के बल्लेबाजों को एक प्लान बी तैयार रखना चाहिए, क्योंकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि उनका आक्रामक खेल हर समय कारगर साबित होगा.

इसी तरह से गुजरात टाइटंस भी अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से चिंतित है. मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उसकी पूरी टीम 100 रन पर आउट हो गई थी और उसे 99 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था. इससे उसके नेट रन रेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है. कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने कुछ हद तक निरंतरता दिखाई है, लेकिन बी साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं. गुजरात टाइटंस के पास प्रसिद्ध कृष्णा, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन उन्हें बल्लेबाजों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल पा रहा है.

जब मैदान पर आता हूं तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हूं: जडेजा

नई दिल्ली: रविंद्र जडेजा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए विभिन्न कारणों से अधिकतर मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे नहीं किए हैं लेकिन उन्हें इस बात का कोई शिकवा नहीं है और उनका कहना है कि वह मैदान पर आने से पहले अपना अहंकार होटल के कमरे में छोड़ देते हैं. जडेजा ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम को 40 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. इससे पहले कुछ मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे न कर पाने के बारे में जडेजा ने जियोहॉटस्टार से कहा, जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हूं. मैं केवल इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस तरह की भी अपेक्षा करेगी मैं उसे पूरी करने की कोशिश करूंगा. उन्होंने कहा, अगर इस मैच में बल्लेबाजी की बात करें तो मैं पारी के

आखिर तक खेलना चाहता था क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन कम बना पाते. जडेजा ने 29 गेंद पर 43 रन बनाए और फिर चार ओवरों में 29 रन देकर एक विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने कहा, एलएसजी के लिए छोटा लक्ष्य हासिल करना शायद आसान होता. टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर परिस्थिति और हर मैच की स्थिति अलग होती है, इसलिए आपको उसके अनुसार खेलना होता है.

स्टार्क को आईपीएल में खेलने के लिए हरी झंडी

सिडनी: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की अनुमति दे दी है और उम्मीद है कि यह तेज गेंदबाज दिल्ली कैपिटल्स के एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध रहेगा. कोहनी और कंधे में चोट के कारण बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क जनवरी से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं. उन्होंने एशेज के पांचों टेस्ट मैचों में अहम भूमिका निभाई. उन्हें इस श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था. इसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग के पांच मैच भी खेले थे. क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, उम्मीद है कि स्टार्क भारत में अब कड़ा अभ्यास करेंगे. वह दिल्ली के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक मई को होने

वाले मैच में खेलने की राह पर हैं, जो उनका आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपना पहला मैच होगा.

इस 36 वर्षीय खिलाड़ी की आईपीएल के शुरुआती चरण में अनुपस्थिति ने विदेशी खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता पर बहस छेड़ दी थी, जिसके चलते स्टार्क को सोशल मीडिया पर स्पष्टीकरण भी देना पड़ा था. उन्होंने इसे बेहद गलत जानकारी करार दिया था. स्टार्क ने पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे. दिल्ली अभी छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है. इस बीच ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस भी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इस सत्र में अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं, वहीं जोश हेज़लवुड ने शुरुआती मैचों में अनुपस्थित रहने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलना शुरू कर दिया है.

नवाज ने टी20 विश्व के दौरान जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लेने से इनकार किया: पीसीबी सूत्र

लाहौर: पाकिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ने इस साल की शुरुआत में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के दौरान डोप परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अपना जवाब सौंप दिया है जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा है कि उन्होंने जानबूझकर कोई भी प्रतिबंधित पदार्थ नहीं लिया था. पीसीबी के एक सूत्र ने बृहस्पतिवार को बताया कि नवाज ने जानबूझकर किसी भी प्रतिबंधित पदार्थ या मौज-मस्ती के लिए नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने से इनकार किया है.

भारतीय पुरुषों की थॉमस कप में खिताब पर निगाह

होर्सेंस (डेनमार्क): आयुष शेट्टी के हाल में शानदार प्रदर्शन तथा अनुभवी खिलाड़ियों के दम पर भारतीय पुरुष टीम शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप फाइनल्स में फिर से खिताब जीतने के लिए कोर्ट पर उतरेगी, जबकि उबर कप में महिला टीम अपनी क्षमता से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी. भारत थामस कप में शुक्रवार को कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा. इसके बाद वह सोमवार (27 अप्रैल) को ऑस्ट्रेलिया और बुधवार (29 अप्रैल) को चीन के खिलाफ खेलेगा. भारत ने चार साल पहले थॉमस कप का खिताब अपने नाम करके अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की थी. थामस कप को बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप माना जाता है. किदाम्बी

उबर कप में महिलाओं की होगी कड़ी परीक्षा

श्रीकांत और एचएस प्रणय की अगुवाई में भारत ने डेनमार्क, मलेशिया और इंडोनेशिया को हराकर भारतीय बैडमिंटन इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा था. श्रीकांत तब अजेय रहे थे जबकि प्रणय तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी अहम भूमिका निभाई थी. इसके दो साल बाद भारत क्वार्टर फाइनल में चीन से हार के कारण खिताब का बचाव नहीं कर पाया था. अब बात करते हैं 2026 की. भारत की मुख्य टीम वही है लेकिन अब उसमें आयुष जैसे उभरते सितारे का जोश भी शामिल है. आयुष ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया और 61 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने. लक्ष्य सेन भी अच्छी फॉर्म में हैं. उन्होंने पिछले महीने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया था. सात्विक के कंधे की चोट से उबरने के बाद वह और उनके साथी चिराग तरोताजा होकर वापसी कर रहे हैं. इन सब स्थितियों को देखते हुए भारत के पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है.

नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान ओलंपिक में क्रिकेट की मेजबानी करेगा: आईसीसी सीईओ

लॉस एंजिलिस: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजोग गुप्ता ने कहा कि 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पर आयोजित की जाएगी, जिसका गुरुवार को शिलान्यास किया गया. गुप्ता ने कहा, यह इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि आज हम जिस चीज की नींव रख रहे हैं, वह सिर्फ एक क्रिकेट मैदान नहीं है. हम एक वादे की नींव रख रहे हैं. एक ऐसा वादा जिसे पूरा करने में 128 साल लगे. गुप्ता लॉस एंजिलिस

2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट के आयोजन स्थल के शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे.

एलएसजी के मुख्य कोच लैंगर ने कहा, एकाना की पिच वाका जैसी

लखनऊ: लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने एकाना की पिच की तुलना पर्थ की बीते जमाने की मशहूर वाका पिच से की और स्वीकार किया कि उनकी टीम इसमें मिलने वाली गति और उछाल से तालमेल बिठाने में नाकाम रही है. एलएसजी अपने घरेलू मैदान पर अब तक खेले गए तीनों मैच हार चुका है. दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उसे यहां क्रमशः छह और सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा जबकि बुधवार को राजस्थान रॉयल्स ने उसे 40 रन से हराया. पिछले सत्र में भी एलएसजी ने यहां खेले गए आठ मैचों में से छह मैच हारे थे. इस तरह से उसने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में जीत हासिल की है. लैंगर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यहां की पिच भारत के दूसरे स्थानों की पिच से बहुत अलग है.

यह क्रिकेट के लिए शानदार पिच है. यहां आपको गति और उछाल दोनों देखने को मिलते हैं. हम अभी तक इससे सामंजस्य नहीं बिठा पाए हैं.

उन्होंने कहा, हमने अच्छी शुरुआत की थी. हम इस पिच पर अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं लेकिन हमारे बल्लेबाज इससे मिलने वाली अतिरिक्त गति और उछाल से तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं. हमारे बल्लेबाज कई बार शॉर्ट पिच गेंदों पर आउट हुए. लैंगर ने कहा, भारत में हमने कई ऐसी पिचें देखी हैं जहां गेंद अधिक उछाल नहीं लेती है, लेकिन यह पिच वाका की पिच की तरह है. यहां गेंद को अच्छी गति और उछाल मिलती है. यहां आपको वाकई दिलचस्प क्रिकेट देखने को मिल रहा है. कप्तान ऋषभ पंत, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के टी20 कप्तान एडन मार्क्रम और निकोलस पूरन जैसे धाकड़ बल्लेबाजों की मौजूदगी के बावजूद एलएसजी की टीम अपने घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने के लिए संघर्ष कर रही है. उसने अब तक यहां तीन मैच में 141, आठ विकेट पर 164 और 119 रन ही बनाए हैं. लैंगर ने कहा, हमारे बल्लेबाज अभी तक लय हासिल नहीं कर पाए हैं. हमारी बल्लेबाजी लाइनअप को देखते हुए सत्र की शुरुआत में किसी ने भी यह नहीं सोचा होगा कि हमारे बल्लेबाज लय हासिल नहीं कर पाएंगे.

कर्स्टन का लक्ष्य, श्रीलंका को अगले वनडे विश्व कप में जीत दिलाना

कोलंबो : श्रीलंका के नए मुख्य कोच गैरी कर्स्टन का लक्ष्य एक ऐसी टीम तैयार करना है जो 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में खिताब के लिए मजबूत दावेदारी पेश कर सके. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज कर्स्टन को दो साल

के अनुबंध पर श्रीलंका की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है. उनका कार्यकाल 15 अप्रैल से शुरू हो गया है. कर्स्टन ने गुरुवार को यहां कहा, हम सभी प्रत्येक प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं. आगे कुछ बड़ी प्रतियोगिताएं खेली जानी है जिनमें 17 महीने बाद होने वाला पुरुष वनडे विश्व कप भी शामिल है. हम इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे. वनडे विश्व कप अगले साल अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा. श्रीलंका 2011 के बाद से वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंचा है. भारत ने उसे 2011 में फाइनल में हराया था. उस समय कर्स्टन भारत के मुख्य कोच थे.

कारोबार

पश्चिम एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 852 अंक टूटा

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 205 अंक नुकसान में रहा. अमेरिकी-ईरान वार्ता रुकने के कारण कच्चा तेल एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से बाजार में गिरावट आई. कारोबारियों के अनुसार विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के साथ ही एशियाई और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया. तीस शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक यानी 1.09 प्रतिशत टूटकर 77,664 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 942.31 अंक यानी 1.20 प्रतिशत फिसलकर 77,574.18 पर आ गया था. दूसरी ओर 50 शेयर पर आधारित एनएसई निफ्टी 205.05 अंक यानी 0.84 प्रतिशत गिरकर 24,173.05 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स के शेयर में ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक में उल्लेखनीय गिरावट हुई. दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मा, भारती एयरटेल और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लाभ में रहे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.89 प्रतिशत बढ़कर 103.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई

मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.39 प्रतिशत और स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.34 प्रतिशत की गिरावट आई. क्षेत्रवार प्रदर्शन देखें तो पीएसयू बैंक में 2.36 प्रतिशत, वाहन में 2.27 प्रतिशत, रियल्टी में 1.91 प्रतिशत, उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुओं में 1.71 प्रतिशत, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में 1.63 प्रतिशत और बैंकएक्स में 1.46 प्रतिशत की गिरावट आई. दूसरी ओर स्वास्थ्य देखभाल में 1.66 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं में 0.40 प्रतिशत, बिजली में 0.40 प्रतिशत और औद्योगिकी वस्तुओं में 0.11 प्रतिशत की तेजी रही. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,078.36 करोड़ रुपये के शेयर बेचे. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए. दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार भी नुकसान में थे.

पेट्रोल, डीजल की कीमत बढ़ाने की अभी कोई योजना नहीं: सरकार

नई दिल्ली: सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां पेट्रोल पर लगभग 20 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर लगभग 100 रुपये प्रति लीटर का नुकसान उठा रही हैं. हालांकि, सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमत को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है. पेट्रोलियम मंत्रालय ने विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25-28 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए जाने का दावा करने वाली खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है. पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर एक संवाददाता सम्मेलन में पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव

सुजाता शर्मा ने कहा कि कच्चे तेल और एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतें बहुत अस्थिर रही हैं. फिर भी सरकार ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं. उन्होंने बताया कि कच्चा तेल पिछले साल 70 डॉलर प्रति बैरल था और इस महीने औसतन 113 डॉलर से अधिक रहा. भारी वृद्धि के बावजूद सरकार ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं और सरकार का प्रयास कीमतों को स्थिर रखने का रहा है.

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी, कुछ खबरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ने की बात कही जा रही है. स्पष्ट किया जाता है कि सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है. यह स्पष्टीकरण कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें संकेत दिया गया था कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है. कोटक ने कच्चे तेल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल रहने के आधार पर 25-28 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया था. मंत्रालय ने कहा कि ऐसी खबरें नागरिकों में डर एवं घबराहट पैदा करने के लिए पेश की जा रही हैं और ये भ्रामक व गुमराह करने वाली हैं.

भारत और कतर ने व्यापार बढ़ाने, आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने के उपायों पर की चर्चा

नई दिल्ली: भारत और कतर ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने एवं आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की है. पश्चिम एशिया संकट के कारण प्रभावित हुई आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच यह बातचीत हुई है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कतर के विदेश व्यापार मंत्री अहमद बिन मोहम्मद अल सईद ने ऑनलाइन बातचीत की. गोयल ने इसकी जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हमने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को और मजबूत करने तथा आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारी रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी. दोनों देशों के बीच 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 14 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जिसे दोनों पक्षों ने 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है. वे व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए बातचीत पर भी गौर कर रहे हैं.

गोयल ने हाल ही में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के अन्य सदस्य देशों के व्यापार मंत्रियों के साथ भी व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की थी. इसमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कुवैत शामिल हैं. ये सभी देश खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य हैं जिनके साथ भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है.

अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के कारण अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्रों में, खासकर पश्चिम एशियाई देशों के लिए जाने वाले मालवाहक जहाजों की आवाजाही गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं. इस संघर्ष ने खाड़ी क्षेत्र को निर्यात करने वाले निर्यातकों के लिए चुनौतियां उत्पन्न की हैं. भारत का 2024-25 में इस क्षेत्र के साथ द्विपक्षीय व्यापार 178 अरब डॉलर रहा था.

वित्तीय सेवा सचिव का बैंकों से छोटे उद्यमों, किसानों को ऋण देने का आग्रह

नई दिल्ली: वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने बृहस्पतिवार को बैंकों से जिम्मेदार बैंकिंग का पालन करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ऋण का प्रवाह न केवल बड़ी कंपनियों बल्कि सूक्ष्म, छोटे एवं मझोले उद्योगों (एमएसएमई) और किसानों तक भी हो. उन्होंने भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और फिक्की द्वारा आयोजित 'पिकअप फिनटेक कॉन्फ्रेंस' में कहा कि जमीनी स्तर पर उद्यमिता और आर्थिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदारी और कुशलता से ऋण तक पहुंच का विस्तार करना महत्वपूर्ण है.

नागराजू ने कहा, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि हमारी वित्तीय प्रणाली लचीली और स्थिर बनी रहे. एक मजबूत वित्तीय प्रणाली अनुकूल समय के दौरान वृद्धि का समर्थन करने में सक्षम होनी चाहिए. साथ ही अनिश्चितता के दौर में झटकों को सहन करने में मददगार होनी चाहिए. नागराजू ने कहा कि अगर आर्थिक वृद्धि समावेशी न हो तो वह लंबे समय तक टिकाऊ नहीं हो सकती.

उन्होंने कहा कि सरकार एक मजबूत और समावेशी वित्तीय क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार, नियामक ढांचे को मजबूत करने और ऋण अनुशासन बढ़ाने को लेकर किए गए सुधारों ने इस उद्देश्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी न केवल नवाचार को बढ़ावा देने में, बल्कि पर्यवेक्षण, जोखिम प्रबंधन और धोखाधड़ी की रोकथाम में भी प्रमुख भूमिका निभाएगी.

न्यूज कॉर्नर

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, गुजरात से पुष्कर घूमने आया था

अजमेर: पुष्कर में एक युवक का शव बांगड़ स्कूल के सामने रेतीले धोरे में पेड़ से लटका हुआ मिलने सनसनी फैल गई. युवक गुजरात का रहने वाला था और पुष्कर घूमने आया था. उसके साथ आए लोगों ने एक दिन पूर्व ही उसके गायब हो जाने की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई थी. पुष्कर पुलिस प्रभारी विक्रम सिंह राठौड़ के अनुसार सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पेड़ पर लटके मिले शव को कब्जे में लिया और एफएसएल टीम के जरिए साक्ष्य जुटाए. पुलिस जांच में मृतक वलसाड निवासी ऋतिक पुत्र अनिल पटेल बताया जाता है. वह पुष्कर घूमने के इरादे से बस के जरिए यहा पहुंचा था. परिवारजन और बस में सवार अन्य लोगों के अनुसार युवक को देर रात तक बस में तलाशा गया जब वह नहीं मिला तो इसकी सूचना पुष्कर पुलिस को दी गई थी और अपनी यात्रा के लिए रवाना हो गए थे.युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई पुलिस अनुंसधान कर रही है. युवक की मौत का स्पष्ट कारण समझ नहीं आ रहा है. पुलिस इस मामले को आत्महत्या और अन्य संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है. मृतक के परिवाजनों को सूचना देकर बुलाया गया है.

गोवंशियों पर फैंका तेजाब, एक दर्जन झुलसे

जींद: जींद में शरारती तत्वों द्वारा गोवंशियों पर तेजाब फैंकने का मामला सामने आया है. गुरुवार को इस घटना के विरोध में गौसेवकों ने प्रदर्शन किया. सिविल लाइन थाना पुलिस ने हाउसिंग बोर्ड में गोवंशों पर तेजाब फैंकने पर गोरक्षक की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ पशु क्रुरता समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है. झुलसे गोवंश को नंदीशाला में छोड़ा गया है. जींद की नंदीशाला में पहुंचे गऊ सेवा दल के राष्ट्रीय संयोजक अतुल चौहान ने बताया कि जींद की शिव कालोनी व बंद मार्केट के पास कोई अज्ञात व्यक्ति लगातार गौवंश पर तेजाब डाल रहा है. यह बहुत ही घिनौना कृत्य है, जिसके कारण गौभक्तों में लगातार रोष बना हुआ है. अतुल चौहान ने बताया कि अगर जल्द से जल्द आरोपित को नहीं पकड़ा गया तो जल्द ही बड़ा प्रदर्शन ओर आंदोलन होगा.

पानीपत में युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

पानीपत: पानीपत की देसराज कॉलोनी में गुरुवार को एक व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगा लिया. जैसे ही परिजनों को पता चला, उन्होंने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान 40 वर्षीय प्रमोद के रूप में हुई है. पुलिस की जानकारी के अनुसार, प्रमोद का शव घरके के अंदर फंदे से लटका हुआ था.जब उसकी पत्नी माया ने कमरे के शीशे वाले दरवाजे से अंदर देखा, तो उसके होश उड़ गए. शोर मचाने पर इकट्ठा हुए पड़ोसियों ने दरवाजा खोलकर उसे फंदे से नीचे उतारा और तुरंत सिविल अस्पताल ले गए. माया ने बताया कि उसकी शादी करीब 14 साल पहले प्रमोद के साथ हुई थी. उनके दो बेटियां और एक बेटा है. माया के अनुसार, प्रमोद शराब पीने का आदी था और नशे की हालत में अक्सर घर में झगड़ा करता था. पति-पत्नी पिछले काफी समय से पानीपत में मजदूरी कर अपने बच्चों का पेट पाल रहे थे. पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और कानूनी कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया.

जुबीन गर्ग हत्या मामले में सिद्धार्थ शर्मा द्वारा पुनः शपथपत्र दाखिल

गुवाहाटी: जुबीन गर्ग हत्या मामले में एक अन्य मुख्य आरोपित सिद्धार्थ शर्मा के अधिवक्ता ने आज अदालत में पुनः शपथपत्र दाखिल किया. बुधवार को गलत शपथपत्र दाखिल किए जाने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी थी. अदालत ने सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए शुक्रवार की तिथि निर्धारित की है. मामला फास्ट ट्रैक अदालत में चल रहा है, जहां श्यामकानू महंत की जमानत याचिका पर दो दिनों तक सुनवाई संपन्न हुई.उल्लेखनीय है कि इसी मामले में मुख्य आरोपित श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पर सुनवाई आज समाप्त होने के बाद अदालत 30 अप्रैल को अपना फैसला सुनाएगी.

नलबाड़ी जिला कारागार के कैदी की मौत

गुवाहाटी: नलबाड़ी जिला कारागार में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है, जहां एक कैदी ने कथित रूप से आत्महत्या का प्रयास किया. प्राप्त जानकारी के अनुसार, कैदी ने ब्लेड का उपयोग कर स्वयं को घायल कर लिया. गंभीर अवस्था में उसे तत्काल नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (एनएमसीएच) में भर्ती कराया गया.हालांकि, उपचार के दौरान कैदी की मौत हो गई. मृतक कैदी की पहचान अब तक सार्वजनिक नहीं हो पाई है. घटना के संबंध में विस्तृत जांच जारी है.

रीवा के होटल में युवक-युवती मृत मिले, प्रारंभिक जांच में जहर सेवन की आशंका

रीवा: मध्य प्रदेश के रीवा में गुरुवार शाम एक होटल के कमरे में युवक-युवती के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. पुलिस की प्रारंभिक जांच में दोनों के जहर सेवन करने की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी.पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान रवि साकेत (25) और काजल उर्फ बिट्टी साकेत (21) के रूप में हुई है. दोनों एक ही गांव के निवासी थे और उनके बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था. परिजनों के मुताबिक, युवती घर से खरीदारी का कहकर निकली थी. प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों बुधवार दोपहर साथ निकले थे. उनके साथ अतुल साकेत नाम का एक अन्य युवक भी था, जो उन्हें होटल तक छोड़कर वापस लौट गया. दोनों होटल अम्पायर में ठहरे थे. होटल स्टाफ को उस समय संदेह हुआ जब गुरुवार को कमरे का दरवाजा लंबे समय तक नहीं खुला. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर गई, जहां दोनों को मृत अवस्था में पाया गया.युवक के परिजन प्रमोद साकेत के मुताबिक, होटल के कमरे में देर रात शराब पार्टी हुई थी. कमरे से तंदूरी रोटी, बियर और शराब की बोतलें मिली हैं. साथ ही जहरीला पदार्थ भी बरामद हुआ, जिससे आत्महत्या की आशंका है.

जबलपुर में रील बनाते बरगी नहर में बही 4 लड़कियां, दो के शव मिले, एक अब भी लापता

जबलपुर: मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने का शौक एक बड़े हादसे में बदल गया. गुरुवार सुबह बरगी थाना क्षेत्र के सालीबाड़ा गांव में रील बनाते समय चार लड़कियां पैर फिसलने से उफनती बरगी नहर के तेज बहाव में बह गईं. इस हादसे में दो के शव मिल चुके हैं, जबकि एक लड़की की तलाश अब भी जारी है. वहीं, एक ने तैरकर अपनी जान बचा ली. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि सभी लड़कियां एक ही परिवार की हैं और गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आयी थीं. गुरुवार सुबह करीब 11 बजे पांच लड़कियां नहर पर नहाने गई थीं. इसी दौरान चार लड़कियां नहर के किनारे मोबाइल से वीडियो (रील) बनाने लगीं, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वे गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आ गईं.वहां मौजूद लोगों ने बताया कि जैसे ही लड़कियां बहने लगीं, किनारे पर मौजूद एक युवती ने अपनी साड़ी फेंककर उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की रफ्तार इतनी अधिक थी कि लड़कियां हाथ से छूट गईं. डूब रही लड़कियों में से एक को तैरना आता था, जिसने न केवल खुद को सुरक्षित बाहर निकाला, बल्कि अपनी सहेलियों को बचाने की कोशिश भी की, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी.

कार ने लोडिंग ऑटो को मारी टक्कर, 13 वर्षीय बालक की मौत, दो घायल

राजगढ़: मध्य प्रदेश, राजगढ़ जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर सारंगपुर थाना क्षेत्र के ग्राम महू जोड़ के पास गुरुवार अलसुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. तेज रफ्तार कार ने पीछे से लोडिंग ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ऑटो में सवार 13 वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.पुलिस के अनुसार, लोडिंग ऑटो में लहसुन भरकर पचोर से शाजापुर मंडी ले जाया जा रहा था. इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने ऑटो को टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि ऑटो में सवार देवराज (13), पिता महेश राठौर, निवासी आक्याचोलवी जिला शाजापुर की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई.हादसे में ऑटो चालक जितेंद्र (25), पिता घीसालाल प्रजापति, निवासी कमलसराय थाना पचोर तथा कार में सवार सुषीलाबाई (55), पत्नी कल्याण सिंह, निवासी इंदौर गंभीर रूप से घायल हो गईं. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से सारंगपुर अस्पताल पहुंचाया.

ट्रंप ने अमेरिकी नेवी को होर्मुज में माइन बिछाने वाले जहाज को उड़ाने के आदेश दिए

ब्रिटेन-फ्रांस ने कहा, होर्मुज को खोलने के लिए कठोर सैन्य कार्रवाई की जरूरत

तेहरान/वाशिंगटन/लंदन: ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना को आदेश दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली अगर कोई नाव नजर आए तो उस पर गोलीबारी की जाए. अमेरिका और ईरान के अस्तित्व की लड़ाई बन चुके होर्मुज जलडमरूमध्य का टकराव हिंद महासागर तक पहुंच गया है, क्योंकि अमेरिका ने इस महासागर से ईरान के एक और तेल टैंकर को जब्त करने का दावा किया है. ईरान एक दिन पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों को निशाना पहले ही बना चुका है.

फॉक्स न्यूज, सीबीएस न्यूज, सीएनएन और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन ने 'मैजेस्टिक एक्स' नामक तेल टैंकर के डेक पर मौजूद अपने सैनिकों का एक वीडियो भी जारी किया है. दावा किया गया है कि इस टैंकर को हिंद महासागर में जब्त किया गया है. महत्वपूर्ण यह भी है कि यह ईरानी जहाज उसी स्थान से जब्त हुआ है, जहां पहले अमेरिकी सेना ने 'टिफनी' नाम के तेल टैंकर को जब्त किया था. पेंटागन ने कड़े शब्दों में कहा, ''अमेरिका की अवैध नेटवर्क को तोड़ने और ईरान को सहायता पहुंचाने वाले जहाजों को रोकने के लिए वैश्विक समुद्री निगरानी जारी

रहेगी. ऐसे जहाज भले ही दुनिया में कहीं भी हों.'' इससे पहले ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने की कोशिश कर रहे दो जहाजों को जब्त कर चुका है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से समझौते की चाह में संघर्ष विराम को भी बढ़ा चुके हैं. मगर ईरान बातचीत की मेज पर आने से इनकार कर चुका है. इस बीच ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना को आदेश दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली अगर कोई नाव नजर आए तो उस पर गोलीबारी की जाए. किसी भी नाव पर गोली चलाई जाए. ट्रुथ सोशल पर उन्होंने कहा, मैंने यूनाइटेड स्टेट्स नेवी को आदेश दिया है कि वह नाव छोटी हो या बड़ी उसे मार गिराया जाए. इसमें कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए.

इस बीच ब्रिटेन और फ्रांस ने होर्मुज खोलने के लिए कठोर सैन्य कार्रवाई की जरूरत बताया है. साथ ही दुनिया के बाकी देशों से सहयोग करने का आग्रह किया है. ब्रिटेन और फ्रांस ने आज लंदन में मिल रहे सैन्य रणनीतिकारों से कहा है कि महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक और कड़े सैन्य विकल्पों की जरूरत होगी. ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीली और उनकी फ्रांसीसी समकक्ष कैथरीन वॉट्रिन ने संयुक्त बयान में कहा, आपका काम कूटनीतिक सहमति को व्यावहारिक सैन्य विकल्पों में बदलना है. ऐसा करना जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जरूरी है. इसके लिए एक समन्वित संयुक्त योजना को अमल में लाना होगा.उल्लेखनीय है कि दर्जनों देशों के रणनीतिक सैन्य अधिकारी इस जलमार्ग को फिर से खोलने पर चर्चा करने के लिए आयोजित दो-दिवसीय सम्मेलन के दूसरे दिन उत्तरी लंदन के नॉर्थवुड स्थित यूके के स्थायी संयुक्त मुख्यालय में इकट्ठा हो रहे हैं.

फसलों की एमएसपी पर खरीद का झूठ राग अलाप रही सरकार : सुरजेवाला

जींद: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि 24 फसलों की एमएसपी पर खरीदी का झूठ का राग बजाने वाली भाजपा हरियाणा में किसानों को गेहू की फसल की खरीदी और भुगतान में भी रुला रही है. किसान विरोधी भाजपा की काली करतूतों और खेती विरोधी साजिशों से किसान का पीला सोना ही मुसीबतों का रोना बन गया है. किसानों की हकमारी और घोटालेबाजी में रफ्तार भरने वाला भाजपाई डबल इंजन किसानों को फसल खरीदी और उठान, भुगतान के नाम पर खून के आंसू रुला रहा है.राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला गुरूवार को जींद, नरवाना तथा उचाना अनाज मंडी का दौरा कर रहे थे. सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में खेती और किसानी के लिए भाजपा नासूर बनी हुई है. भाजपा मंडी व्यवस्था को ही निगल जाने पर तुली है. सरसों खरीदी में गड़बड़झाले व बेईमानी को लेकर विधान सभा के विशेष सत्र में एक दिन की चर्चा की जानी चाहिए. इसे लेकर सीएम नायब सैनी जिम्मेवारी लें और किसान, आढती, मजदूर को विशेष राहत पैंकेज मिले. इस दौरान किसानों की भी समस्याएं सुनी. उन्होंने कहा कि हरियाणा की मंडियों में अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं आ चुका है लेकिन केवल 55.81 लाख मीट्रिक टन की ही खरीद हो पाई है.करीब 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं अभी भी खरीद के इंतजार में पड़ा है. खरीदे गए गेहूं में से भी केवल 26.63 लाख मीट्रिक टन का उठान हुआ है. जिससे हालात और बिगड़ गए हैं. उन्होंने कहा कि लगभग 70 प्रतिशत गेहूं यानी 53 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा फसल अभी भी खुले आसमान के नीचे पड़ी है. मंडियों में पहुंचे 7.70 लाख किसानों में से केवल 4.62 लाख किसानों की ही फसल खरीदी गई है.

सीमा शुल्क के मसले पर नेपाल के संपर्क में है भारत

नई दिल्ली: भारत ने नेपाल की ओर से सीमा शुल्क लगाने और फिर इसे आंशिक रूप से हटाए जाने पर कहा कि उसकी पूरी स्थिति पर नजर है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस विषय पर नेपाल से साथ लगातार संपर्क में है. वहीं, प्रवक्ता ने बांग्लादेश से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी से इनकार कर दिया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा, भारत को नेपाल में पहले से मौजूद प्रावधान के तहत 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर सीमा शुल्क लागू किए जाने की जानकारी है. हम समझते हैं कि नेपाल सरकार ने यह कदम मुख्य रूप से अनौपचारिक व्यापार और तस्करी को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया है.

जायसवाल ने नेपाल के एक वरिष्ठ अधिकारी के बयान का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि व्यक्तिगत उपयोग के लिए घरेलू सामान ले जाने वाले नागरिकों को रोका नहीं जाएगा. प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस विषय पर संपर्क में बना हुआ है.उल्लेखनीय है कि भारत और नेपाल के बीच करीब 1,751 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से लगती है. दोनों देशों के बीच दशकों से लोगों और वस्तुओं का सहज आवागमन रहा है. नई सरकार बनने के बाद अब सीमा क्षेत्रों में दैनिक जरूरतों और इलेक्ट्रानिक्स सामान की भारत में आकर हो रही खरीदारी पर सीमा शूल्क लगाया जा रहा है. इससे नेपाली लोगों में रोष है.

वहीं, प्रवक्ता ने बांग्लादेश से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी से इनकार कर दिया. बांग्लादेश के चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स में भारतीय आयुध कारखानों के बने गोला-बारूद की कथित मौजूदगी से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर प्रवक्ता ने कहा कि अपुष्ट खबरों पर टिप्पणी करना उचित नहीं है. उन्होंने कहा कि भारतीय आयुध कारखाने कड़े नियमों और जवाबदेही मानकों के तहत संचालित होते हैं.

गडकरी ने एससीओ परिवहन मंत्रियों की बैठक में टिकाऊ, हरित गतिशीलता पर दिया जोर

नई दिल्ली: शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के परिवहन मंत्रियों की 13वीं बैठक में टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार परिवहन प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया गया. बैठक में बहु-आयामी संपर्क, हरित गतिशीलता, लचीला बुनियादी ढांचा और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किर्गिस्तान में आयोजित इस बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया. उन्होंने भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि देश निर्बाध और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए संकल्पित है.गडकरी ने कहा कि भारत एससीओ सदस्य देशों के साथ क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ाने और लोगों के बीच संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है.

भाजपा युवा मोर्चा ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर किया प्रचंड विरोध प्रदर्शन

जयपुर: नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर देशभर में उठ रही आवाजों के बीच आज जयपुर में भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल के नेतृत्व में युवा मोर्चा के द्वारा दुर्गापुरा बस स्टैंड पर एक ऐतिहासिक, विशाल एवं प्रचंड विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया. इस प्रदर्शन ने जनआक्रोश का ऐसा रूप लिया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिला शक्ति एवं युवा शक्ति सड़कों पर उतर आई और जमकर नारे लगाए.

जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि यह प्रदर्शन महिलाओं की आवाज है, महिला अधिकारों की लड़ाई है, जिसे भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सफलता मिलने तक लड़ेगा, उन्हें संसदीय प्रणाली में आरक्षण मिलना चाहिए. उन्होंने कहा आज का प्रदर्शन युवा मोर्चा द्वारा महिलाओं के 33% आरक्षण के लिए किया गया. यह उनका हक है. आज कांग्रेस के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की गई. कार्यकर्ताओं और महिलाओं में भारी रोष देखने को मिला, जो स्पष्ट रूप से यह संदेश दे रहा था कि देश की नारी अब अपने अधिकारों के लिए पूरी तरह जागरूक और संघर्ष के लिए तैयार है. इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर तीव्र विरोध दर्ज कराया गया.

जयपुर जिला उपाध्यक्ष और युवा मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र पूर्वंशी ने कहा कि कांग्रेस के इस हरकत से महिलाओं के साथ-साथ भारत के युवाओं में भी रोष व्याप्त है. हमारी बहनों को आरक्षण मिलना चाहिए. इसे किसी भी सूरत में छीना नहीं जा सकता. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने षड्यंत्रकारी तरीके से इस महत्वपूर्ण अधिनियम को रोककर देश की करोड़ों महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है.इस अवसर पर जयपुर जिले के समस्त पदाधिकारी,बड़ी संख्या में महिलाओं एवं युवाओं की उपस्थिति ने इस आंदोलन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावशाली बना दिया.

हमारी संस्कृति में माता-बहनें सर्वोपरि, उन्हें उनका अधिकारी दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मोहन यादव

भोपाल: मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति माताओं-बहनों का सर्वोपरि रखने की रही है. बहनों को विधानसभाओं और लोकसभा में आरक्षण दिलवाने के लिए हमारी सरकार लड़ाई लड़ रही है. उन्हें उनका अधिकार दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है.मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को सारग जिले के नरयावली में विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबको साथ लेकर चलने के लिए सभी से अपील की थी, लेकिन कुछ राजनैतिक दलों को बहनों को उनका अधिकार देने में जरा भी दया नहीं आई. पहले भी बहनों के भरण पोषण के भत्ते से जुड़े उच्चतम न्यायालय के आदेश को भी इन लोगों ने ही ठुकरा दिया था.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार माताओं-बहनों का सम्मान करते हुए लाड़ली बहना योजना के माध्यम से बहनों को हर महीने 1500 रुपये की सौगात दे रही है. प्रदेश के 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं. प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में महिला अधिकारी एसपी हैं और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही हैं. सागर जिले में सांसद, महापौर भी महिलाएं हैं. प्रदेशभर में प्रमुख पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी जा रही है, लेकिन कई राजनैतिक दलों को नहीं सुहाता है. माताएं-बहनें सब कुछ भूल सकती हैं, पर अपना अपमान कभी नहीं भूल सकती हैं, बहनों से यही अपील है कि मौका मिलने पर हिसाब जरूर चुकता करना है. हमारा पूर्ण संकल्प है कि आज नहीं तो कल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इन बहनों को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवा कर रहेंगे.कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुंदेल केसरी महाराजा छत्रसाल और डॉ. हरिसिंह गौर को नमन किया. इस ममौके पर उन्होंने नरयावली में 27 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया. उन्होंने कहा कि यह केवल एक विद्यालय नहीं, हमारी 5 हजार साल पुरानी विरासत का प्रतीक है. उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने वाले श्रीकृष्ण हमारे आदर्श हैं. मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में 41 करोड़ 7 लाख रुपये की लागत से 36 विकास कार्यों का लोकार्पण और 17 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से 62 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया, साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए सरकार प्रयासरत है. अब कृषक कल्याण वर्ष में किसानों को आगे बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही हैं. बुंदेलखंड की धरती वीरों और महावीरों की धरती है. बुंदेलखंड के लोग हर क्षेत्र में दक्ष थे, लेकिन प्रकृति की मार पड़ी तो पानी की कमी हो गई और खेती प्रभावित होने से पलायन शुरू हो गया. अब प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में यहां केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना की सौगात मिली है. इस एक लाख करोड़ रुपये की परियोजना से बुंदेलखंडवासियों के पीने के पानी की समस्या हल होगी. किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा. उद्योग-धंधे स्थापित होंगे.

दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ विधायक चुने गए अनिल गोयल

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा ने गुरुवार को कृष्णा नगर के विधायक डॉ. अनिल गोयल को आठवीं विधानसभा के प्रतिष्ठित वार्षिक सर्वश्रेष्ठ विधायक पुरस्कार के लिए चयनित किए जाने की घोषणा की. यह निर्णय आज विधानसभा में आयोजित एक उच्चस्तरीय चयन समिति की बैठक में लिया गया, जो आठवीं विधानसभा के भीतर सुशासन के उच्च मानकों को बढ़ावा देने की दिशा में संसदीय परंपरा की सफल पुनर्स्थापना का प्रतीक है.डॉ. अनिल गोयल को यह सम्मान जल्द ही एक समारोह में औपचारिक रूप से प्रदान किया जाएगा. आठवीं विधानसभा के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद यह प्रतिष्ठित सम्मान पुनः प्रारंभ किया गया है, जो संसदीय उत्कृष्टता को मान्यता देने की नई प्रतिबद्धता को दर्शाता है. यह जानकारी आज दिल्ली विधानसभा की ओर से जरिए विज्ञप्ति में दी गई. इस चयन प्रक्रिया का संचालन आज दिल्ली विधानसभा में अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया. इस प्रतिष्ठित जूरी में राजेंद्र अग्रवाल (पूर्व सांसद, लोकसभा), पीडीटी आचार्य (पूर्व महासचिव, लोकसभा), रितेश सिंह (प्रधान सचिव, विधि, न्याय एवं विधायी कार्य, दिल्ली सरकार), महेश के. शुक्ला (वरिष्ठ पत्रकार) तथा रणजीत सिंह (सचिव, विधानसभा) शामिल रहे.

सुडोकू-28

5		9			6			
	8	7	5	4	9			
		2	1	8		5		
		1		5	3			4
8		4				7		5
2			6	7		9		
		5		6	1	8		
			2	3	8	4	5	
			7			6		3

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -27 का उत्तर

8	6	2	9	4	1	3	7	5
5	3	4	7	2	8	9	1	6
1	9	7	5	3	6	4	2	8
2	4	5	3	8	7	6	9	1
9	8	3	6	1	2	5	4	7
7	1	6	4	5	9	2	8	3
3	5	1	2	7	4	8	6	9
6	2	8	1	9	3	7	5	4
4	7	9	8	6	5	1	3	2

युवा शक्ति माथापच्ची- 49

1	2	3			4		5	
6				7				
			8					
9		10		11		12		13
		14		15				
16	17			18			19	
			20					
21						22		23
					24			

● **बाएं से दाएं**

1. भटकना, पथभ्रष्ट होना, चूकना, आपे में न रहना, 7. शरीर का मध्य भाग, कटि, 7. यतीमखाना, अनाथआश्रम, 9. चमकीला, भडकीला, 12. हिसंक, पूज्य, सेनानायक, 14. आश्रय देना, शरण देना, बचाना, 16. रगडने का भाव, अत्यधिक परिश्रम, लम्बा झगडा, 18. मेहंदी का पौधा, 21. प्रकाशमान, चमकता हुआ, उपस्थित, बैठा हुआ, 22. दबाने पर बीच में झुकने का गुण, 24. फैलाव, विस्तार, रेडियो द्वारा सुनाना,

● **उपर से नीचे**

1. बगुला, बगुले जैसा सफेद, एक असुर, 2. साथी, दोस्त, 3. सूंड, हाथ, 4. सोने के आभूषण बनाने वाला, 5. चहचहाहट, पक्षियों का मधुर स्वर करना, 8. किसी से लादने का काम कराना, 9. धूर्त, टेढी चाल चलने वाला, बुद्धिमान, व्यवहारकुशल, 10. वस्त्र, परिधान, 11. आचार, व्यवहार, रहने का भाव, 12. ऊँचा स्तम्भ, लाट, 13. रात्रि, 15. अवलोकन करना, खोजना, आजमाना, 17. गहरा होना, गाढा होना, 19. जड और चेतन, चर और अचर, संसार, 20. अर्जित करना, परिश्रम करना, 22. केसर, हल्दी, 23. बहुत छोटा टुकडा, जर्रा,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 48 का हल

प	■	न	ग	र	■	अ	ज्ञा	न
क	ले	वा	■	ज	ला	व	■	म
ड	■	ब	सं	त	■	मू	ल	क
वा	दा	■	प्र	■	■	ल्य	■	■
ना	■	प्र	ति	वे	द	न	■	बा
■	■	ग	■	■	ड	■	धा	त
सं	त	ति	■	आ	बा	द	■	मा
स्का	■	शी	त	ल	■	म	का	न
र	स	ल	■	स	म्मा	न	■	ना

BHOOMI INDUSTRIAL PARK

STATE APPROVED INDUSTRIAL PARK
(UNDER GOVT. OF WEST BENGAL)

NEAR DURGAPUR EXPRESSWAY
DHANIAKHALI-CHUNCHURAH ROAD

VASTU COMPLIANT INDUSTRIAL PLOTS

INTERGRATED INFRASTRUCTURE
- Land Mutation & Coversion
- Sewage Treatment Plant (STP)
- On-site Weighing Scale
- Fire Station
- Power Substation
- 24 x 7 Security
- 40 ft Wide Internal Road
- Business Centre
- Boundary Wall
- Drainage System

PROPOSED AREA : 100 ACRE OR 300 BIGHA

Cal us to know more
M: +91 90880 90770
*Artistic Impression | T&C Apply

E: info@bhoomiipark.com
www.bhoomiipark.com
Bhoomi Industrial Park Bhoomiipark
BhoomiIndustrialPark Bhoomi Industrial Park

Scan to know more

The information and visuals contained herein are indicative. Bhoomi reserves rights to make amendments as and when it deems fit and proper, without any prior notice. No representation or warranty is made or intended as to the accuracy of information and no commitments are being given under this brochure . Visuals, drawings, plans or sketches shown are only an architect's impression and are subject to approvals from local authorities.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन

न्यूज कॉर्नर

आपदा प्रबंधन अभ्यास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के एसएसपी सुशील कुमार के निर्देशन में गुरुवार को सीटी एसपी कोटा किरण कुमार द्वारा गया सैन्य अस्पताल में आपदा प्रबंधन अभ्यास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया.इस दौरान सीटी एसपी द्वारा घटनास्थल की सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन एवं आपात स्थिति में निर्बाध निकासी मार्ग सुनिश्चित करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए.

जनता दरबार में आमजनों की शिकायतें सुनी गई

युवा शक्ति न्यूज
गया : सीटी एसपी कोटा किरण कुमार के द्वारा गुरुवार को जनता दरबार में आमजनों की शिकायतें सुनी गई.जिसमें फरियादी अपनी-अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए.सीटी एसपी के द्वारा सभी लोगों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना गया और उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए.

वीर कुंवर सिंह को पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को जिला अतिथि गृह सभागार में 1857 के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव दिवस के अवसर पर उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया.इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और अटूट देशभक्ति से इतिहास में स्वर्णिम अध्याय लिखा.उन्होंने कहा कि यह दिवस केवल एक ऐतिहासिक विजय का स्मरण नहीं, बल्कि त्याग, संकल्प और आत्मबल के उत्सव का प्रतीक है.उन्होंने कहा कि 80 वर्ष की आयु में भी बाबू वीर कुंवर सिंह जी ने जिस वीरता और नेतृत्व का परिचय दिया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है.उनका जीवन यह संदेश देता है कि देशप्रेम और कर्तव्य के मार्ग में उम्र और परिस्थितियाँ कभी बाधा नहीं बनतीं.डॉ. प्रेम कुमार ने आगे कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आरा और जगदीशपुर की धरती पर बाबू वीर कुंवर सिंह जी ने जो शौर्यगाथा रची, वह आज भी हर भारतीय के हृदय में गर्व का संचार करती है.उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं मानी और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देशवासियों में स्वतंत्रता की अलख जगाई.उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि इस पावन अवसर पर सभी को बाबू वीर कुंवर सिंह जी के आदर्शों- त्याग, साहस, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति- को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए. साथ ही उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा, अनुशासन और सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए.अंत में, डॉ. प्रेम कुमार ने बाबू वीर कुंवर सिंह जी को कोटि-कोटि नमन करते हुए उनके विजयोत्सव दिवस पर सभी बिहारवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं.

जनगणना प्रशिक्षण में व्यवस्थाओं की मिसाल, राम निवास ने संभाला आईटी व भोजन प्रबंधन

युवा शक्ति न्यूज
वजीरगंज(गया) : आगामी जनगणना 2026 को लेकर नगर पंचायत, वजीरगंज में आयोजित पर्यवेक्षक एवं प्रगणक प्रशिक्षण शिविर में बेहतर प्रबंधन की मिसाल देखने को मिली.प्रशिक्षण के दौरान आईटी उपकरणों से लेकर भोजन-पानी तक की संपूर्ण व्यवस्था आईटी सेल के राम निवास कुमार एवं उनकी टीम ने संभाली.प्रशिक्षण हॉल में स्मार्ट टीवी, लैपटॉप और इंटरनेट की व्यवस्था की गई ताकि मास्टर ट्रेनर डिजिटल माध्यम से जनगणना एप, मोबाइल डाटा एंट्री और जियो-टैगिंग की बारीकियां आसानी से समझा सकें.साथ ही नगर पंचायत के 28 पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों के लिए पूरे प्रशिक्षण सत्र के दौरान सुबह चाय-नाश्ता, दोपहर में स्वच्छ भोजन और ठंडे पानी की निरंतर व्यवस्था रही.समय पर भोजन और जलपान मिलने से प्रशिक्षणार्थियों ने राहत महसूस की और बिना व्यवधान के प्रशिक्षण पूरा किया.आईटी सेल से जुड़े व्यवस्थापक राम निवास कुमार ने बताया, जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में फील्ड स्टाफ का मनोबल ऊंचा रखना जरूरी है.हमारी टीम ने कोशिश की कि तकनीकी सुविधा के साथ-साथ भोजन-पानी की कोई दिक्कत न हो.स्मार्ट टीवी पर लाइव डेमो से सभी प्रगणक नए सॉफ्टवेयर को जल्दी समझ पाए.उन्होंने आगे कहा कि प्रशिक्षण में अन्य आईटी सेल कर्मियों ने भी लैपटॉप सेटअप, साउंड सिस्टम और डेटा बैकअप में सहयोग किया.प्रशिक्षण में शामिल पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों ने बताया कि पहले कई बार ट्रेनिंग में खाने-पीने की अव्यवस्था से परेशानी होती थी, लेकिन इस बार समय पर चाय, पानी और गरम भोजन मिला.डिजिटल उपकरणों से प्रैक्टिकल समझाने के कारण फील्ड में डाटा एंट्री आसान होगी.नगर पंचायत प्रशासन का कहना है कि जनगणना का काम त्रुटिरहित हो, इसके लिए प्रशिक्षण में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही. व्यवस्थापक दल को इस बेहतर प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा.जनगणना 2026 के पहले चरण में मकान सूचीकरण व मकानों की गणना का कार्य होना है, जिसके लिए प्रगणकों को मोबाइल एप से ट्रेनिंग दी जा रही है.

बहरामपुर: कांग्रेस प्रत्याशी अधीर रंजन चौधरी ने किया मतदान

मुर्शिदाबाद: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान बहरामपुर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद और इस बार के कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने आज अपने मताधिकार का प्रयोग किया. वे मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर अंतर्गत एक स्थानीय स्कूल में वोट डालने पहुँचे.**मतदान के मुख्य अंश:**निर्धारित बूथ पर पहुँचे: अधीर रंजन चौधरी आज सुबह कासिमबाजार नगर अवैतनिक प्राथमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र पर पहुँचे.आम नागरिक की तरह मतदान: भारी सुरक्षा और समर्थकों की मौजूदगी के बीच, उन्होंने बूथ के भीतर जाकर अपनी बारी आने पर संवैधानिक कर्तव्य निभाया. मतदान के बाद उन्होंने अपनी उंगली पर लगी स्याही दिखाई.लोकतंत्र पर भरोसा: मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मतदान करना हर नागरिक का अधिकार और जिम्मेदारी है. उन्होंने जिले के लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से बाहर निकलकर वोट डालने की अपील की.**चुनावी माहौल:**बहरामपुर हमेशा से ही राजनीतिक रूप से सक्रिय क्षेत्र रहा है. अधीर रंजन चौधरी के मतदान के समय बूथ के बाहर उनके समर्थकों का उत्साह देखा गया. हालांकि, सुरक्षा के कड़े इंतजामों के कारण मतदान केंद्र के भीतर व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रित रही.

बीरबाहा हांसदा ने डाला वोट, कतार में लगकर लोकतांत्रिक कर्तव्य निभाया

झाड़ग्राम: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान झाड़ग्राम जिले में सुबह से ही शांतिपूर्ण और उत्साहजनक माहौल देखा जा रहा है. लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेने के लिए जिले के विभिन्न बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी हुई हैं. इसी बीच, बिनपुर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार बीरबाहा हांसदा ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया.**मतदान के मुख्य अंश:**आम मतदाता की तरह कतार में: बीरबाहा हांसदा आज सुबह झाड़ग्राम शहर के विद्यासागरपल्ली स्थित बूथ संख्या 173 पर पहुँचीं. किसी विशेष वीआईपी सुविधा के बजाय, उन्होंने एक सजग नागरिक की तरह आम लोगों के साथ लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया और वोट डाला.शांति की अपील: मतदान केंद्र से बाहर निकलने के बाद उन्होंने अपनी उंगली पर लगी स्याही दिखाई और मीडिया के माध्यम से जिले के सभी मतदाताओं से शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया.प्रशासनिक सतर्कता: झाड़ग्राम के विद्यासागरपल्ली सहित जिले के तमाम संवेदनशील बूथों पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. केंद्रीय बलों की तैनाती के बीच अब तक मतदान की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है.**जिले में उत्सव का माहौल:**झाड़ग्राम जिले में सुबह से ही मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं और युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है. भीषण गर्मी के बावजूद लोग सुबह से ही बूथों पर पहुँच रहे हैं. ईवीएम में छिटपुट तकनीकी खराबी को छोड़कर, जिले भर में अब तक कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं आई है.

बूथ खाली कर भोजन करने गए कर्मचारी, चुनाव आयोग ने किया सस्पेंड

मेदिनीपुर: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पिंगला विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र में लापरवाही का मामला सामने आया है. आरोप है कि दोपहर के समय प्रिसाइडिंग ऑफिसर समेत सभी चुनाव कर्मचारी बूथ खाली छोड़कर खाना खाने चले गए.जानकारी के मुताबिक, पिंगला विधानसभा के नौ नंबर बूथ पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी लाइन लगी हुई थी. जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, वोटरों की भीड़ भी बढ़ने लगी. इसी बीच आरोप है कि प्रिसाइडिंग ऑफिसर मतदान केंद्र छोड़कर भोजन करने चले गए और उनके साथ अन्य मतदान अधिकारी भी चले गए. उस समय बूथ पर सेक्टर ऑफिसर भी मौजूद नहीं थे.जब सुरक्षा कर्मियों से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि अधिकारी बाहर गए हैं और बाद में आएंगे. इस घटना से इलाके में काफी हंगामा और चर्चा शुरू हो गई.मामले की जानकारी मिलते ही चुनाव आयोग ने तुरंत कार्रवाई की. आयोग ने बूथ के प्रिसाइडिंग ऑफिसर समेत सभी मतदान कर्मियों को निलंबित कर दिया और पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं.

साथ ही रिजर्व पोलिंग पार्टी को मतदान प्रक्रिया संभालने का निर्देश दिया गया है.इससे पूर्व भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने पिंगला थाने के ओसी को हटाने की मांग करते हुए चुनाव आयोग से शिकायत भी की थी. उन्होंने आरोप लगाया था कि पुलिस भाजपा एजेंटों को उठा रही है और पक्षपात कर रही है. इसके बाद यह घटना सामने आने से इलाके में और भी राजनीतिक हलचल बढ़ गई.

भाजपा प्रत्याशी निशीथ प्रमाणिक को घेरकर टीएमसी का प्रदर्शन

कूचबिहार : मतदान के दिन घोजाडांगा चाय बागान क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी व पूर्व केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक को तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा. 'पैसे बांटने' के गंभीर आरोपों ने पूरे इलाके का माहौल गरमा दिया.यह घटना माथाभांगा विधानसभा क्षेत्र के घोजाडांगाचाय बागान इलाके में 2/48 नंबर बूथ के पास हुई. जैसे ही निशीथ प्रमाणिक वहां पहुंचे, तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और आरोप लगाया कि वे मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं.तृणमूल नेताओं का दावा है कि भाजपा प्रत्याशी गुप्त रूप से वोटरों के बीच पैसे बांट रहे थे. यह खबर फैलते ही इलाके में 'जय बंगला' और 'गो बैक' के नारे गूंजने लगे.स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और झड़प की नौबत आ गई. लाठी-डंडों के साथ आमने-सामने आने से माहौल और भी तनावपूर्ण हो गया.हालांकि, निशीथ प्रमाणिक ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल अपनी हार तय मानकर झूठे आरोप लगा रही है.उन्होंने कहा मुझ पर हमला करवाने की साजिश रची जा रही थी.

स्थिति को काबू में करने के लिए भारी पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे. दोनों पक्षों को अलग कर हालात को नियंत्रित किया गया. भाजपा प्रत्याशी को कड़ी सुरक्षा में वहां से बाहर निकाला गया. फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और सुरक्षा बल लगातार गश्त कर रहे है.

एसएसपी ने कार्यालय एवं थाना का निरीक्षण किया

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के एसएसपी सुशील कुमार के द्वारा डीएसपी इमामगंज के कार्यालय एवं इमामगंज थाना का गुरुवार को निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई.इस अवसर पर उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा कार्यों के प्रभावी, अनुशासित एवं सुचारु निष्पादन हेतु सजग एवं तत्पर रहने का निर्देश दिया गया.

खेला गया मैच

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : 23 अप्रैल दिन गुरुवार को सांसद जन उधम खेल संस्कृति महोत्सव में क्रिकेट का आयोजन गांधी मैदान में पहले सेमीफाइनल का मैच मगध एजुकेशन बनाम बीआर अंबेडकर हॉस्टल के बीच खेला गया.जिसमें मगध एजुकेशन ने जीत हासिल करके फाइनल में जगह पक्का किया.दूसरे सेमीफाइनल में गया सदर बनाम शेर की के बीच खेला गया जिसमें गया सदर ने मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाया.फाइनल मैच गया सदर और मगध एजुकेशन के बीच खेला गया.जिसमें गया सदर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 8 ओवर में 57 रन बनाया बल्लेबाज विकास कुमार ने 40 रन बनाया और गेंदबाजी में जाकिर ने दो विकेट मनीष ने दो विकेट लिया मगध एजुकेशन बल्लेबाजी करते हुए 29 रन 8 विकेट पर बनाया गेंदबाजी में मोहित ने 5 विकेट लिया इस तरह गया सदर ने 27 रनों से से हराकर राकेश विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया आज के मैन ऑफ द मैच मोहित है.

मानव श्रृंखला रैली में 200 से अधिक स्कूली बच्चों ने लिया भाग

युवा शक्ति न्यूज
टेकारी(गया) : विश्व पृथ्वी दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के जियोलॉजी विभाग पृथ्वी के संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने के उद्देश्य से जागरूकता फ़ैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को कई कार्यक्रम आयोजित कर रहा है.इसी क्रम में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान, मानव श्रृंखला रैली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.सुबह की शुरुआत विश्वविद्यालय के छात्रों एवं स्कूली बच्चों के सहभागिता से मानव श्रृंखला रैली से हुई, जिसका औपचारिक उद्घाटन कुलपति प्रो के. एन. सिंह द्वारा किया गया.इस कार्यक्रम में सीयूएसबी के विद्यार्थियों के साथ स्थानीय विद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया.उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो के. एन. सिंह के साथ जियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार सिंह, प्रो. रिजवानुल हक (डीन, एसईबीईएस), प्रो. डी. वी. सिंह (निदेशक, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ), प्रो. आर. पी. सिंह सहित विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संकाय सदस्य एवं अधिकारी शामिल थे. अपने संक्षिप्त संबोधन में प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने छात्रों से संवाद करते हुए धरती माता की सुरक्षा एवं पुनर्स्थापन के लिए सामुदायिक शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला.प्रो. प्रफुल्ल कुमार सिंह ने पृथ्वी दिवस के इस वर्ष के थीम हमारी शक्ति, हमारा ग्रह पर विस्तार से चर्चा की तथा ऊर्जा संरक्षण एवं नवीकरणीय संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने में छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया.प्रो. सिंह ने पृथ्वी दिवस 2026 कार्यक्रम के आयोजन हेतु भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) द्वारा प्रदान की गई उदार वित्तीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया.साथ ही, कार्यक्रम के सफल आयोजन में अमूल्य मार्गदर्शन एवं निरंतर सहयोग के लिए माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह का भी हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया.जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि सभी प्रतिभागियों ने राजभाषा हिंदी में पृथ्वी संरक्षण एवं सतत जीवन शैली अपनाने की शपथ ली.इसके पश्चात सीयूएसबी के आंतरिक संकाय सदस्यों द्वारा दो विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए.पहला व्याख्यान प्रो. विनोद कुमार (पीएम प्रोफेसर, सीयूएसबी) ने दिया,

बकाया मांगने पर मेरे घर निगम अधिकारियों ने फेंकवाया कूड़ा, नगर आयुक्त ने जांच के आदेश दिए

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : शहर में नलजल से जुड़े एक ठेकेदार ने नगर निगम के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं.ठेकेदार का कहना है कि बकाया भुगतान मांगने पर अधिकारियों ने पैसे न देकर मेरे घर के आगे कूड़ा फेंकवा दिया है. मामले की जानकारी के बाद नगर आयुक्त ने जांच के आदेश दिए हैं.कुजापी मोहल्ला के रहने वाले ठेकेदार अनिल भूषण ने कहा कि मैं लंबे समय से नगर निगम के लिए जलापूर्ति से संबंधित काम, जैसे- नलजल, प्याऊ और चापाकल की मरम्मत करता आ रहा हूं.अनिल भूषण का दावा है कि पिछले 7 महीनों से उनका भुगतान लंबित है.कई बार लिखित और मौखिक आग्रह के बावजूद मुझे केवल आश्वासन ही मिला.अनिल ने बताया कि कूड़े के ढेर की वजह से घर में जाना मुश्किल हो गया है.

ठेकेदार अनिल भूषण और उनके मैनेजर राकेश कुमार के अनुसार, एक दिन पहले यानी बुधवार को नलजल से जुड़े अधिकारी उनके घर पहुंचे और काम को लेकर दबाव बनाया.जब अनिल भूषण ने बकाया राशि की मांग की, तो बुधवार की रात करीब 10:20 बजे नगर निगम के कूड़ा ढोने वाले ट्रैक्टर से उनके घर के मेन गेट पर कूड़ा गिरवा दिया गया.

अनिल भूषण ने कहा कि कूड़े के ढेर की वजह से न सिर्फ मेरे बल्कि घर के सदस्यों बल्कि आसपास के लोगों को भी दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है.उन्होंने कहा कि कूड़ा फेंके जाने से घर का रास्ता भी ब्लॉक हो गया है.

स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ठेकेदार की बीमार मां मधु देवी को इलाज के लिए पटना ले जाना था, लेकिन रास्ता बंद होने के कारण उन्हें समय पर अस्पताल नहीं ले जाया जा सका, जिससे परिवार को मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की परेशानी झेलनी पड़ी.

आसपास के लोगों ने भी बताया कि कूड़े के ढेर से बदबू आ रही है, लेकिन इसे निगम की ओर से हटाया नहीं जा रहा है.अनिल भूषण ने आरोप लगाया कि ये सब कुछ नगर निगम के अधिकारियों के इशारे पर की गई है.उन्होंने नगर निगम के दोनों सिटी मैनेजर और जल पर्षद के कार्यपालक अभियंता राकेश कुमार पर सीधे तौर पर जिम्मेदार बताया और कहा कि उनके निर्देष पर ये सब किया गया है.ठेकेदार का कहना है कि अगर कोई शिकायत थी तो नियमानुसार नोटिस दिया जाना चाहिए था, न कि इस तरह का गैरकानूनी और अपमानजनक कदम उठाया जाता.उन्होंने यह भी बताया कि पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज मौजूद है, जिसमें ट्रैक्टर से कूड़ा गिराते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है.इसके आधार पर उन्होंने जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है.नगर आयुक्त ने मामले की जानकारी के बाद जांच के आदेश दिए हैं.वहीं, नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया से पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें कूड़ा फेंकने की घटना की पहले जानकारी नहीं थी. उन्होंने बताया कि ठेकेदार के खिलाफ कुछ शिकायतें मिली थीं, जिनकी जांच के लिए टीम भेजी गई थी. हालांकि, कूड़ा फेंकने की बात सामने आने के बाद उन्होंने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है.

कांग्रेस पार्टी से सार्वजनिक माफी की मांग की गई

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा सहित अन्य भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध किया तथा कांग्रेस पार्टी से सार्वजनिक माफी की मांग की.इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि देश के सम्मानित प्रधानमंत्री के प्रति इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग न केवल अनुचित है, बल्कि यह पूरे देश की जनता का भी अपमान है.इस अवसर पर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि आज भारत विश्व पटल पर एक नई पहचान बना चुका है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुरक्षा, विदेश नीति, आर्थिक मजबूती तथा सांस्कृतिक गौरव के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं.आज विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र भारत की ओर सम्मान की दृष्टि से देख रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा कर रहे हैं.भारत को विश्व गुरु के मार्ग पर अग्रसर करने का कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही संभव हुआ है.उन्होंने कहा कि ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणी करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है.लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, परंतु आलोचना और अपमान में स्पष्ट अंतर होता है.राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद पर बैठे व्यक्ति के प्रति गरिमा और सम्मान बनाए रखना प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है.डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार अपनी गिरती राजनीतिक जमीन के कारण हताशा में इस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रही है. जनता अब सब समझ चुकी है और ऐसे नेताओं को उचित जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी.उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है, न कि व्यक्तिगत टिप्पणी कर राजनीतिक स्तर को गिराने की.भाजपा नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस पार्टी को देश की जनता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए.यदि ऐसा नहीं किया गया, तो भारतीय जनता पार्टी जन-जन तक इस मुद्दे को लेकर जाएगी और कांग्रेस की मानसिकता को उजागर करेगी.डॉ मिश्रा ने एक स्वर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की 140 करोड़ जनता की आशा, विश्वास और विकास के प्रतीक हैं.उनके खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती.अंत में सभी नेताओं ने कांग्रेस पार्टी को संयमित और मर्यादित भाषा के प्रयोग की सीख देते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों के सम्मान की अपील की.

बीरभूम के खैराशोल में केंद्रीय बलों पर पथराव, मतदान के बीच तनाव

बीरभूम : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान बीरभूम जिले के खैराशोल इलाके में ग्रामीणों द्वारा केंद्रीय सुरक्षा बलों पर पथराव किए जाने की घटना सामने आने से तनाव फैल गया.

मिली जानकारी के अनुसार, घटना एक मतदान केंद्र के पास हुई, जहां केंद्रीय बल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात थे. अचानक कुछ ग्रामीण आक्रामक हो गए और उन्होंने सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

स्थिति कुछ समय के लिए नियंत्रण से बाहर हो गई, हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने हालात को संभालने की कोशिश जारी रखी. घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस और केंद्रीय बलों को तैनात किया गया ताकि स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सके.प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और मतदान प्रक्रिया को बाधित न होने देने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है.

विजय उत्सव दिवस मनाया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार के आदेशानुसार कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष युगल किशोर सिंह की अध्यक्षता मे गया जिला कांग्रेस कार्यालय राजेन्द्र आश्रम मे बाबू वीर कुंवर सिंह की विजय उत्सव दिवस मनाया गया.सबसे पहले उनके तैल चित्र पर मलायार्पण किया गया और वीर कुंवर सिंह अमर रहे, अमर रहे, अमर रहे का नारा लगाया गया.युगल सिंह अपने सम्बोधन मे कहा की वीर कुंवर सिंह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा और बिहार के जगदीशपुर के जमींदार थे.80 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ अद्भुत वीरता, छापामार युद्ध नीति और नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिससे अंग्रेज थर्रा उठे थे.उन्होंने अंग्रेजों को कई लड़ाइयों में हराया और जगदीशपुर को अंग्रेजों से मुक्त कराया.बाबू कुंवर सिंह के शौर्य और वीरता को दर्शाता है.विजय उत्सव दिवस कार्यक्रम मे विधा शर्मा, प्रदीप कुमार शर्मा, संजय कुमार चंद्रवंशी, मोहम्मद ताजुद्दीन, धर्मेंद्र कुमार शर्मा, मदीना खातून, ओंकार शक्ति, धर्मेंद्र कुमार निराला, शिव कुमार चौरसिया, रंजीत सिंह, अनुमति देवी, अर्जुन गुप्ता, बर्जेश राय, सुनील पासवान, राजकपुर गुप्ता, सहित कांग्रेसजन उपस्थित हुए.उक्त कार्यक्रम की जानकारी जिला प्रवक्ता अशोक प्रसाद भारती ने दिया.

ब्रिज लाइन विभाग को स्थानांतरित किए जाने पर ईसीआरकेयू ने किया विरोध प्रदर्शन

युवा शक्ति न्यूज
गया : गुरुवार को ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के तत्वाधान में प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना के सभी रिक्त पदों को ब्रिज लाइन विभाग को स्थानांतरित किए जाने पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन द्वारा प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना के मुख्य गेट पर विरोध प्रदर्शन किया.जिसकी अध्यक्षता ईसीआरकेयू के भूतपूर्व नेता रमेश कुमार श्रीवास्तव ने किया.प्रदर्शन में सैकड़ो की संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे.इस दौरान ईसीआरकेयू के केंद्रीय सहायक महामंत्री बीबी पासवान ने कहा कि प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना, डीडीयू के सभी रिक्त पदों (जिसमें उच्च पद भी सम्मिलित है) को ब्रिज लाइन विभाग को स्थानांतरित किया जा रहा है.जो काफी खेद जनक है.वैसे तमाम कर्मचारी गण जो अपने पदोन्नति के लिए लंबे समय से प्रतीक्षारत है उनके हितों को नुकसान पहुंचेगा और उनकी पदोन्नति प्रभावित होगी.आगे इन्होंने कहा कि प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना पूर्व मध्य रेल में इकलौता कारखाना है जो कई जोनों के लिए गार्डर निर्माण कार्य करती है.गार्डरों का बहुत ज्यादा मांग रहने के कारण गर्डरों का निर्माण कार्य को आउटसोर्सिंग भी किया गया है.ऐसे में रिक्त पदों को भरने के स्थान पर पदों को स्थानांतरित किया जाना न्यायोचित नहीं है.इस तरह का निर्णय कारखाना एवं रेल कर्मचारियों के हित में नहीं है.यूनियन मांग करती है कि इस पर अभिलंब रोक लगाया जाए, अन्यथा यूनियन बृहद आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी.ईसीआरकेयू के भूतपूर्व यूनियन

नेता रमेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान मान्यता प्राप्त यूनियन जोनल एवं पीडी के स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक के माध्यम से प्लांट डिपो कारखाना को संरक्षा कोटि में शामिल करने की मांग किया गया है. इस संबंध में ईसीआरकेयू कहना चाहती है कि प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना में कार्यरत कर्मचारियों का मेडिकल कैटिगरी बी 1, बी 2, सी 1 एवं सी 2 है ,तथा बहुत से कर्मचारी दिव्यांग श्रेणी के भी है.ऐसे में देखा जाए तो बहुतों कर्मचारियों का की मेडिकल कैटिगरी संरक्षा श्रेणी के अनुरूप नहीं एवं रेलवे बोर्ड ने भी वर्ष 2022 से द्व ब्रिज वर्कशॉप को सुरक्षा श्रेणी में शामिल किया है.परंतु मुख्यालय द्वारा अधिसूचित नहीं किया गया है.यूनियन मांग करती है की पीडी में कार्यरत आर्टिजन एवं सुपरवाइजर कर्मचारियों को संरक्षा कोटि में शामिल करने हेतु अधिसूचित करने के पूर्व कार्य सभी कर्मचारी जिनका मेडिकल कोटी संरक्षा श्रेणी के अनुरूप नहीं है. उन सभी कर्मचारियों को छूट देते हुए संरक्षा कोटि में रखा जाए.आगे इन्होंने कहा कि प्लांट डिपो कारखाना में आए दिन रेल कर्मचारी को कार्य के दौरान चोट लगता रहता है परंतु उनके प्राथमिक उपचार की कोई व्यवस्था नहीं है.इसके लिए मंडल अस्पताल पर निर्भर रहना पड़ता है. मंडल अस्पताल की दूरी एवं मार्केट में जाम रहने के कारण कर्मचारियों को काफी परेशानी होती है.जबकि कारखाना अधिनियम के तहत पीडी में ही हेल्थ यूनिट बना है.परंतु उसमें डॉक्टर कभी नहीं आते हैं.अत: यूनियन मांग करती है कि पीडी हेल्थ यूनिट में डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित किया जाए.इस अवसर पर मुख्य रूप से मोहन राम, रमेश कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार शर्मा,कृष्णकांत पाल, मुकेश पासवान, सुभाष सिंह, राकेश कुमार, राजेश पाल, प्रशांत कुमार, प्रभात कुमार, सुधिर कुमार, प्रदीप कनौजिया, विकास कुमार विनियम, विनोद कुमार, अजय कुमार, रुपेश कुमार, गुलाब प्रसाद, रवि रंजन कुमार सिंह, भुपेंद्र चौबे, सुनिल कुमार, मंजूर आलम, श्रीकांत सुरेन्द्र कुमार विनय, धर्म देव, अभिषेक, शिव चरण मीना, मनीष, सुबोध गुप्ता आदि उपस्थित रहे.